mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-285 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
14 अक्टूबर 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

चीन सबसे ज्यादा सोना रखने वाला 5वां देश:

उसके पास अब 2410 टन गोल्ड, भारत से 3 गुना ज्यादा; अमेरिका नंबर-1 पर

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन दुनिया का 5वां सबसे ज्यादा सोना रखने वाला देश बन गया है। चीन ने रूस को पीछे छोड़ दिया है और उससे आगे अब सिर्फ अमेरिका, जर्मनी, इटली और फ्रांस है। फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म 'द कोबेसी लेटर' के मुताबिक, चीन के पास अब सोने का 2,410 टन रिजर्व हो गया है और वह दुनिया के टॉप-3 देशों में शामिल होने से बस थोड़ा ही दूर है। फ्रांस के पास 2,437 टन और इटली के पास 2,452 टन सोना है। यानी चीन फ्रांस से सिर्फ 27 टन और इटली से 42 टन पीछे है। वहीं भारत इस लिस्ट में 8वें नंबर पर है और चीन से करीब 3 गुना कम गोल्ड है।

चीन इस साल अंत तक तीसरे नंबर पर पहुंच सकता है: चीन का केंद्रीय बैंक यानी पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना लगातार सोना खरीद रहा है।

अगर यह खरीदारी लगातार रहती है तो इस साल के अंत तक वह फ्रांस और इटली को भी पीछे छोड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा।

सितंबर में 23 टन सोना खरीदा, लगातार 23 महीने से खरीदारी: चीन पिछले 23 महीनों से लगातार सोना खरीद रहा है। इस साल सिर्फ सितंबर महीने में चीन ने 23 टन से ज्यादा सोना खरीदा, जो पिछले एक साल में किसी भी एक महीने की सबसे बड़ी खरीदारी है। इससे पहले जुलाई और अगस्त में भी उसने हर महीने 20-20 टन से ज्यादा सोना अपने खजाने में जमा किया था। इस पूरे साल में सितंबर तक चीन ने कुल 103 टन से भी ज्यादा सोना खरीदा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 4,200 औंस के पार: दुनियाभर के बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर उछाल देखने को मिल रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़कर लगभग 4,207 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है, वहीं चांदी भी महंगी होकर 61.12 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। ओवरसी-चाइनीज बैंकिंग कॉरपोरेशन (OCBC) के स्ट्रैटेजिस्ट क्रिस्टोफर वोंग के मुताबिक, कच्चे तेल के दाम गिरने और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से सोने की कीमतों में फिर से सुधार आ रहा है।

सोने के दाम बढ़ने की दो मुख्य वजहें हैं... पहली, कच्चे तेल की कीमतें कम होने से महंगाई की चिंता थोड़ी घटी है। दूसरी, निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक अब ब्याज दरों में बढ़ोतरी रोक सकता है, जिससे लोग एक बार फिर सुरक्षा के लिहाज से सोने में जमकर निवेश कर रहे हैं।

पीएम मोदी बोले: भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं-टैलेंट दिया

● बदले में क्रेडिट-रॉयल्टी भी नहीं ली ● देश पहली बार ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम का मेजबान

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी।

दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया।

पीएम बोले- सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं: मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है,

लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है।

रिफॉर्म्स हमारा कन्विक्शन है: पीएम बोले- भारत की 7.8% ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। भारत का कॉन्फिडेंस ऊंचाई पर है। हमने इन्सॉल्वेंसी लॉ बनाया है। बिजनेस से जुड़ी छोटी-मोटी गलतियों को डिस्टेबिलाइज किया है। रिफॉर्म्स हमारा कन्विक्शन है।

पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए होती है: पीएम ने कहा- इतिहास में अनेक वैश्विक संगठन बने। उनके अपने-अपने हित रहे हैं। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट जैसे इनीशिएटिव लिए। भारत किन विचारों को लेकर सामने आया, ये सबके सामने है। भारत जोड़ने और जुड़ने पर बल देता है। पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए ही है। भारत रिलायबिलिटी और स्टेबिलिटी की बात करता है।

भारत ने जीरो के लिए रॉयल्टी नहीं मांगी: पीएम मोदी ने कहा- जब दुनिया को अफोर्डेबल मेडिसिन की जरूरत होती है, तब यह भारत से आती है। जब दुनिया को टैलेंट की जरूरत होती है, तब भारत के युवाओं पर भरोसा होता है। ये स्पष्ट है कि दुनिया को एक स्टीडी पिलर की जरूरत होती है, तब भारत अपना दायित्व समझते हुए हाथ आगे बढ़ाता है।

एआई हर सेक्टर में काम करने के तरीके बदल रहा: पीएम ने कहा- दुनिया एक संकट से बाहर निकलने का रास्ता तलाशती है, तभी दूसरा सामने आ जाता है। सप्लाई चेन हो, एनर्जी हो, मिनरल, पेमेंट्स या टेक्नोलॉजी, दबाव-दबदबे का माध्यम बन रहे हैं। इन सबके बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर सेक्टर में काम करने के तरीके बदल रहा है। दुनिया के सामने बड़ा सवाल भरोसे का है। भरोसा ये कि जरूरत के समय सप्लाई जारी रहेगी। भरोसा ये कि जो वादे किए वो निभाए जाएंगे। संकट के समय पार्टनर कंट्री साथ रहेगी। भारत इसी सोच के साथ सामने है।

हमारे यहां अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर बहस होती है: पीएम ने कहा- हमारे यहां अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर बहस होती है। 2014 के बाद जब हमें सेवा करने का अवसर मिला, तब हमने मोबाइल को अफोर्डेबल बनाने पर जोर दिया। अब छोटा दुकानदार तक पहुंच सकता है। यानी भारत में कनेक्टिविटी ने लोगों को कनेक्ट नहीं किया, बल्कि अपॉरचुनिटी को भी कनेक्ट किया।

मोदी ने कहा- हमने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन की सप्लाई की... पीएम ने कहा- हम टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए पैसा सीधे अकाउंट में पहुंचाने की व्यवस्था बनाई है। गवर्नमेंट और सिटिजन के बीच सीधा रास्ता बना है। कोविड के दौरान वैक्सीन मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा महत्व था। तब कहा गया कि जिनके पास इसे बनाने की सामर्थ्य नहीं है, उन तक भी पहुंचेगी। हमने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन की सप्लाई की।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली प्रदर्शन पर सुनवाई टली:

सीजेपी प्रदर्शन में 7 हजार लोग हिरासत में लिए गए, 45 स्टेशन बंद हुए थे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से पहले मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 15 अक्टूबर तक टाल दी है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुनवाई करने वाली बेंच के जज जस्टिस वी. मोहना की तबीयत खराब होने के कारण यह फैसला लिया गया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। उन्होंने बताया कि एफिडेविट तैयार है, लेकिन उसमें कुछ और जानकारी जोड़ी जानी है। कोर्ट ने समय बढ़ाते हुए केंद्र को हलफनामा याचिकाकर्ताओं के वकील को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने 10 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और SIR के विरोध में प्रदर्शन बुलाया था। दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी थी। इस दौरान पुलिस ने शहर में बैरिकेडिंग की थी। 45 मेट्रो स्टेशन बंद थे और 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था।

2 याचिकाएं दाखिल की गई थीं: याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो और यहां आने

वाली ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक न लगाई जाए। इसके बावजूद शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ। इस पर इसके बाद कोर्ट ने रविवार को सुनवाई के दौरान दिल्ली के अधिकारियों को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा था। कोर्ट ने कहा था कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए।

आशुतोष रांका और सौरव दास जंतर-मंतर से हिरासत में

● सरकार ने सोमवार से ही यहां प्रोटेस्ट बैन किया ● सीजेपी नेता बोले- प्रदर्शन यहीं करेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों CJP समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पर पहुंचे और नारेबाजी कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया।

CJP ने हिरासत में लिए गए नेताओं का वीडियो जारी किया। रांका ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक प्रोटेस्ट जंतर-मंतर पर ही होगा। आज 10 लोग आए हैं, कल 1000

आएंगे, परसों 10,000 आएंगे।' जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकते। केंद्र सरकार ने सोमवार को इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया था।

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की याचिका में 14 खामियां

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने बताया- कोर्ट फीस 220 कम दी, पेज गायब, खड़गे का आईडी कार्ड धुंधला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेताओं की तरफ से दायर याचिका में करीब 14 खामियां बताई हैं। यह याचिका वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ी है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, रजिस्ट्री ने याचिका दाखिल करने वाले वकील से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आईडी कार्ड की साफ कॉपी मांगी। 9 याचिकाकर्ताओं ने याचिका दायर करने की लिखित सहमति नहीं दी थी।

रजिस्ट्री ने यह भी कहा कि याचिका के साथ जमा किए दस्तावेज के कुछ पन्ने पढ़ने लायक नहीं हैं। कुछ गायब हैं। कोर्ट फीस भी 220 रुपए कम जमा की गई है।

12 अक्टूबर को दायर याचिका में भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी को पक्षकार बनाया गया है।

मार्च के खिलाफ 2 एफआईआर दर्ज: सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने के मामले में दिल्ली पुलिस ने 2 एफआईआर

दर्ज की हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ये केस बाराखंभा रोड और तिलक मार्ग थानों में दर्ज किए गए हैं।

विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया: राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी नेता सोमवार को याचिका दाखिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करके पहुंचे थे। याचिका में रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति बनाने की मांग की गई है। इसमें तकनीकी विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित नागरिकों को भी शामिल करने की मांग है। याचिका में कहा गया है कि यह समिति तय समय के भीतर SIR के दौरान वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों और किए गए बदलावों का स्वतंत्र ऑडिट करे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई रुकी

● सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र सरकार को नोटिस, पीएम पर बयान का मामला

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह केस 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयानों से जुड़ा है। मामला महाराष्ट्र की ट्रायल कोर्ट में चल रहा था।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने महाराष्ट्र सरकार और शिकायतकर्ता एमएच श्रीश्रीमल को नोटिस जारी किया है।

राहुल गांधी के खिलाफ

देशभर में दर्ज आपराधिक मानहानि के मामलों की कुल संख्या 16 है। इसमें से 15 मामले उन्होंने अपने 2024 के लोकसभा चुनावी हलफनामे में घोषित किए हैं, और 1 मामला पुणे में सावरकर परिवार द्वारा दायर किया गया है। राहुल गांधी की ओर से वकील अभिषेक सिंघवी पेश हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला दिया। सिंघवी ने कहा कि इस मामले में कानून पहले ही स्पष्ट हो चुका है।

राहुल ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी... राहुल गांधी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ जारी समन रद्द करने से इनकार किया था।

: ब्रीफ बॉक्स :

नशा विरोधी एक्टिविस्ट परविंदर झोटा की हत्या

मेडिकल स्टोर मालिक ने गोलियां मारीं

मानसा,एजेंसी। पंजाब के मानसा में एंटी ड्रग टास्क फोर्स के संचालक परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार (13 अक्टूबर) सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। नशा बेचने का विरोध करने नशा विरोधी एक्टिविस्ट झोटा की मेडिकल स्टोर मालिक अश्विनी से बहस हुई। इसी दौरान अश्विनी ने उन्हें 3 गोलियां मार दीं। उनके 4 साथियों को भी गोली लगी है। जब झोटा को साथी ले जाने लगे तो मेडिकल स्टोर मालिक हाथ में पिस्टल लिए पीछे भी जाता दिखा।

पाकिस्तान में ट्रेन पटरी से उतरी, 6 की मौत, 30 घायल

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार सुबह कराची से पेशावर जा रही रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। ट्रेन सुबह करीब 5:15 बजे शेर शाह इलाके में पटरी से उतरी। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, 13 डिब्बों को हादसे वाली जगह से हटा दिया गया है।

पाकिस्तान में रेल हादसों का सिलसिला पुराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 5 साल में देश में 500 से ज्यादा रेल हादसे दर्ज किए गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे में घायल यात्रियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने का निर्देश दिया।

राजस्थान में आंधी का अलर्ट, यूपी में गंगा उफान पर, घर डूबे

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बर्फबारी; हिमाचल में अगले 3 दिन बारिश

नई दिल्ली,एजेंसी। मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के 15 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ओले गिरने की भी आशंका जताई है। लखनऊ लगातार 15वें दिन भी बाढ़ की चपेट में है। कॉलोनियों में तीन-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है।

राजस्थान के 16 जिलों में तेज बारिश और आंधी का यलो अलर्ट है। वहीं, हिमाचल में वेस्टर्न डिस्टरबेंस कल से दोबारा एक्टिव हो रहा है। प्रदेश में इससे अगले चार दिन तक बारिश के आसार हैं। लाहौल-स्पीति, किन्नौर

और चंबा की ऊंची चोटियों पर इस दौरान बर्फबारी हो सकती है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में छिपलाकोट की ऊंची चोटियां अक्टूबर में ही बर्फ से ढंक गई हैं।

बरेली में सीएम योगी बोले:

पहले जो रहनुमा थे, वही चोर थे, अब यूपी सुरक्षित

बरेली,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम प्रहरियों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा की। अब उनका मानदेय 3500 रुपये होगा, जो पहले 2500 रुपये था। इसके साथ ही, उन्हें प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस उपचार सुविधा भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश बदल चुका है। बरेली इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि 2017 से पहले यहां त्योहारों पर उपद्रव होते थे। अब लोग सुरक्षित माहौल में पर्व मना रहे हैं। प्रदेश के हर गांव में हजारों लोग शारदीय नवरात्र से जुड़े हैं। लोग निडर होकर घरों से बाहर निकल रहे हैं। वे सुरक्षित माहौल में देवी मां के दर्शन कर पा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि सुरक्षित उत्तर प्रदेश बनने से देश और दुनिया में प्रदेश की धारणा बदली है। पहले चंद मुट्ठी भर लोगों की गलतियों का खामियाजा 25 करोड़ लोगों को भुगतना पड़ता था। नौजवानों और व्यापारियों के सामने पहचान का संकट आता था। अब यूपी के बारे में कोई सवाल नहीं उठाता।

सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन का नया दौर... योगी ने सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को वर्तमान माहौल का आधार बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के इस माहौल से सभी को लाभ मिला है। सड़कें बन रही हैं और निवेश आ रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। लोगों में विश्वास है कि वे सुरक्षित हैं, जिससे उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

संक्षिप्त समाचार

प्रदर्शनकारियों को धक्का दिया, घसीटा और जबरन बस में भरा

बेंगलुरु में पुलिस पर पत्रकारों से भी मारपीट का आरोप

बेंगलुरु एजेंसी। एक तरफ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृहमंत्री प्रियांक खरगे दिल्ली में वोटर लिस्ट के स्ढ्क्र और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ विरोध कर रहें थे वहीं दूसरी तरफ बेंगलुरु में पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और कार्रवाई की कवरेज कर रहे जर्नलिस्ट्स के साथ मारपीट की।

जुबीन गर्ग की पत्नी और फैंस का विरोध प्रदर्शन, आरोपियों को जमानत मिलने पर उठाए सवाल

डिसपुर एजेंसी। दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने गायक से जुड़े संगीतकारों और सैकड़ों प्रशंसकों के साथ मिलकर सोमवार को सोनापुर के जुबीन क्षेत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गायक की मौत के मामले में जल्द न्याय की मांग की। गरिमा सैकिया गर्ग ने शांतिपूर्ण और एकजुट प्रदर्शन की अपील की थी और प्रदर्शनकारियों ने दिवंगत गायक के लिए न्याय की अपनी मांग दोहराई।

दिवंगत की पत्नी ने क्यों किया प्रदर्शन: यह विरोध प्रदर्शन गुवाहटी हाईकोर्ट ने हाल ही में गायिका अमृतप्रभा महंता को जमानत दिए जाने के बाद शुरू हुआ, जिससे मामले की प्रगति को लेकर लोगों की चिंता फिर से बढ़ गई है।

केरलम विधानसभा से सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पारित

सीएम सतीशन बोले- ऐतिहासिक मौका

तिरुअनंतपुरम एजेंसी। केरलम विधानसभा ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में मतदाता सूची से बाहर किए गए पात्र नागरिकों के मतदान के अधिकार बहाल करने की मांग भी की गई है और चुनाव आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया में बदलाव का सुझाव दिया गया है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने इसे केरलम के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

एलटीसीजी पर चर्चाओं से भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी; सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तूफानी तेजी देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स 1,109.10 अंक या 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,033.78 और निफ्टी 358.60 अंक या 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,721.95 पर था। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 5.22 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी फार्मा ही सपाट बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में मजबूत खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 624.65 अंक या 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,459.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21.60 अंक या 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,447.40 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, बीईएल, एमएंडएम,भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और अदाणी पोर्ट्स गेनर्स थे। केवल कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी और इटरनल लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि बाजार में तेजी की वजह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा, 'सरकार बजट से जुड़ी बातचीत के दौरान लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने पर लोगों की राय जानना चाहती है।' इसकी वजह भारत में निवेशकों की ओर से इक्विटी पर लगने वाले टैक्स को लेकर लगातार सवाल उठाना है।

दिल्ली के क्लब में मार डाला गया 29 साल का दलजीत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इंद्रलोक स्थित एक अवैध बार में कथित तौर पर बार मैनेजर की पत्नी के पास से गुजरने पर 29 वर्षीय युवक दलजीत की बुरी तरह पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना में मृतक के दो दोस्त भी घायल हुए थे। सराय रोहिल्ला पुलिस ने हत्या के मामले में बार मैनेजर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बार को सील कर दिया है। इसके साथ ही चौकी प्रभारी योगेश यादव को भी लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस के अनुसार, दलजीत शुक्रवार रात दोस्तों के साथ इंद्रलोक स्थित टोरस हाउस अंबर बार में पार्टी कर रहा था। बार मैनेजर गौरव भी वहां पत्नी के जन्मदिन की पार्टी कर रहा था। आरोप है कि बाथरूम जाते समय दलजीत मैनेजर की पत्नी के पास से गुजरा तो गौरव नाराज हो गया। इसके बाद उसने बाउंसर की मदद से दलजीत की पिटाई कराई। शनिवार तड़के करीब 4 बजे हुई मारपीट में दलजीत को बचाने आए उसके दोस्त पवन और नीशू भी घायल हो गए। बाद में तबीयत बिगड़ने पर परिजन दलजीत को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले गए,

जहां रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दलजीत की पत्नी पूजा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बीयर गिरने को लेकर हुआ था विवाद सूत्र: वहीं, भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि शनिवार देर रात सराय रोहिल्ला थाना क्षेत्र के एक नाइट क्लब में महिला पर बीयर गिरने को लेकर हुए विवाद के दौरान बाउंसर की पिटाई से कैब ड्राइवर दलजीत की मौत हो गई। सूत्र ने बताया कि मृतक की पहचान रघुवीर नगर निवासी दलजीत के रूप में हुई है। उसके परिवार में पत्नी, आठ साल का बेटा और पिता हैं।

डंडों और कांच की बोतलों से हमले का आरोप

सूत्र के मुताबिक, दलजीत अपने कुछ दोस्तों के साथ नाइट क्लब गया था। वहां उसके एक दोस्त से एक महिला पर बीयर गिर गई। इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया, जिसके बाद क्लब के बाउंसर ने कथित तौर पर दलजीत से मारपीट कर दी। दलजीत और उसके दोस्तों ने माफी भी मांगी, लेकिन इसके बावजूद उनसे मारपीट की गई। क्लब के वेटर भी दलजीत और उसके दोस्तों पर डंडों और कांच की बोतलों से हमला करने लगे जब उन्होंने वहां से भागने की कोशिश की, तो हमलावर उन्हें खींचकर वापस अंदर ले आए और फिर से मारपीट की गई। इस हमले में दलजीत को सबसे गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने सीसीटीवी रिकॉर्डर जब्त किया

सूत्र ने बताया, उसके दोस्त उसे रघुवीर नगर स्थित उसके घर ले गए, जहां वह घर के दरवाजे के पास ही गिर पड़ा। इसके बाद उसे गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नाइट क्लब का सीसीटीवी डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर जब्त कर लिया है और फुटेज खंगाली जा रही है।

गुरुग्राम में 4 दिन से सिटी बसों का संचालन बंद, यात्री परेशान

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद में वित्तीय विवाद की वजह से चार दिन से सिटी बस का संचालन बंद है। बस संचालन करने वाली कंपनी गुरुग्राम सिटी ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड और गुरुग्राम महानगर सिटी बस लिमिटेड के बीच करीब 15 करोड़ रुपये के बकाया बिल को लेकर विवाद है। बसों का संचालन कर रही टीसीआरपीएल गुरुग्राम सिटी ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुग्राम महानगर सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) को चेतावनी दी है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं हो जाता है, तब तक सिटी बस को नहीं चलाया जाएगा। इससे बस यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

7 साल पहले हुआ था समझौता: साल 2019 में बस कंपनी और जीएमसीबीएल के बीच में किलोमीटर स्कीम के तहत बस संचालन का समझौता हुआ था। इस कंपनी को गुरुग्राम में 100 बस चलाने की जिम्मेदारी दी गई थी। बाद में इस कंपनी को गुरुग्राम में 50 और फरीदाबाद में 50 बस चलाने के आदेश जारी हुए थे।

15 करोड़ रुपये बकाया: इस कंपनी को प्रति किमी बस संचालन की एवज में 96 रुपये का भुगतान किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी की जीएमसीबीएल के ऊपर 15 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। छह महीने से कंपनी के पदाधिकारी भुगतान का आग्रह कर रही है, लेकिन अब तक अदायगी नहीं हो सकी है।

डिपो से बस नहीं निकली: पिछले सप्ताह कंपनी ने जीएमसीबीएल को अंतिम नोटिस देकर नौ अक्टूबर से गुरुग्राम और फरीदाबाद में बसों का संचालन बंद कर दिया। सोमवार को एक भी बस डिपो से बाहर नहीं निकली। वहीं, जीएमसीबीएल सीईओ विश्वजीत चौधरी ने विवाद के बारे में कुछ नहीं कहा। हालांकि, उनका कहना है कि बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

18 रूटों पर होता था सिटी बस संचालन: यह सिटी बस गुरुग्राम और फरीदाबाद में 18 रूट पर चलती थी। यह बस गुरुग्राम में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-50, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सोहना बस स्टैंड वहीं फरीदाबाद में बड़खल बॉर्डर से बल्लभगढ़ बस स्टैंड, बल्लभगढ़ बस स्टैंड से बदरपुर बॉर्डर, बल्लभगढ़ बस स्टैंड से मछावली चौक आदि रूट पर चलती थी।

लाखों का भुगतान अटका

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि जीएमसीबीएल से भुगतान नहीं हुआ है। इस वजह से वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। जैसे ही जीएमसीबीएल से राशि मिलती है, उस राशि से सीएनजी कंपनी की बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक करीब 40 लाख रुपये का भुगतान इस कंपनी ने सीएनजी कंपनी को करना है।

विराटनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : मिस्त्री की दुकान से बाइक चुराने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

विराटनगर। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह (IPS) के निर्देशन में क्षेत्र में चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विराटनगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। कार्रवाई का विवरण : विराटनगर थानाधिकारी बाबूलाल मीणा (उप-निरीक्षक) के अनुसार, 12 अक्टूबर 2026 को सोठाना स्थित एक मिस्त्री की दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल (नंबर: RJ 52 SC 3790) चोरी होने के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 303(2) बीएनएस (BNS) के तहत प्रकरण संख्या 246/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोपीपुर सोठाना क्षेत्र से आरोपी राजेन्द्र कुम्हार को धर दबोचा और उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल (RJ 52 SC 3790) को सकुशल बरामद कर लिया।

अमेरिका में बदलाव की मांग: कटघरे में न्यूयॉर्क पुलिस की बलप्रयोग नीति

ममदानी ने क्यों दिए समीक्षा के निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सोमवार को न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) को नागरिकों के खिलाफ पुलिसकर्मियों द्वारा बल प्रयोग की नीतियों की व्यापक समीक्षा करने का आदेश दिया। इस कदम का उद्देश्य प्रगतिशील विचारधारा वाले उन नेताओं और समर्थकों के बीच बढ़ते असंतोष को दूर करना है, जो चाहते हैं कि लोकतांत्रिक समाजवादी ममदानी देश के सबसे बड़े पुलिस विभाग पर अधिक मजबूत नियंत्रण स्थापित करें।

पुलिस जवाबदेही बढ़ाने के लिए कई नए उपायों की घोषणा: एक प्रेस विज्ञप्ति में ममदानी ने पुलिस की निगरानी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कई अतिरिक्त उपायों की घोषणा की। इनमें एनवाईपीडी के लिए महानिरीक्षक कार्यालय (ऑफिस ऑफ द इंस्पेक्टर जनरल) की फंडिंग बढ़ाना और पुलिसकर्मियों पर कदाचार के आरोप लगने की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली नीतियां शामिल हैं। मेयर ने अपने बयान में कहा, जब सरकार किसी न्यूयॉर्कवासी के खिलाफ बल प्रयोग करती है, तो जवाबदेही का मानक अपने उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हर न्यूयॉर्कवासी को यह जानने का अधिकार है कि बल प्रयोग कानून के अनुरूप, सावधानीपूर्वक और केवल आवश्यकता होने पर ही किया जाएगा।

पुलिस व्यवस्था में बदलाव के वादे को लेकर ममदानी पर दबाव: डेमोक्रेट ममदानी ने पिछले साल मेयर पद के चुनाव के दौरान पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव करने का वादा किया था। उनकी योजना के तहत पुलिस अधिकारियों की कुछ जिम्मेदारियां सामाजिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक सेवा विशेषज्ञों की टीमों को सौंपने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना को अमल में लाने की प्रक्रिया अब तक धीमी रही है।

पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश के पद पर बने रहने से बढ़ी नाराजगी: ममदानी को उदारवादी और प्रगतिशील विचारधारा वाले नेताओं की ओर से बढ़ती आलोचना का भी सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली में एसआईआर वाली टेंशन कम हो रही, 20 लाख लोगों मामला सुलझा, एक और बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने सोमवार को कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से छूटे पात्र मतदाताओं के लिए 18 और 25 अक्तूबर को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इनमें जवाब दाखिल कर निस्तारण करा सकेंगे, वहीं पात्र लोग फॉर्म-6 भरकर जमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि फॉर्म-6 के साथ जरूरी दस्तावेज जमा करने वाले सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर नहीं छूटेगा। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) के कार्यालय के मुताबिक 33 लाख नोटिस पाने वाले मतदाताओं में से करीब 20 लाख मतदाताओं के नोटिस का निस्तारण किया जा चुका है। सोमवार को हुई समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम ने अपने-अपने क्षेत्रों में जारी नोटिस के निस्तारित हो चुके मामलों की जानकारी दी। सीईओ कार्यालय का कहना है

कि तार्किक विसंगतियों और नो-मैपिंग के कारण जिन मतदाताओं को नोटिस जारी हुए थे, उनकी ओर से दस्तावेज जमा कराकर नोटिस का निस्तारण कराया जा रहा है। अब तक ऐसे चार विशेष कैंप लगाए जा चुके हैं।

पिछले हफ्ते मिले थे विपक्षी दल: इससे पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं ने बीते बुधवार को दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की थी और एसआईआर को रद्द करने और राष्ट्रीय राजधानी की मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 47.56 लाख लोगों के नाम पुनः जोड़ने की मांग की थी। विपक्षी दलों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कश्मीरी गेट से दिल्ली निर्वाचन कार्यालय तक मार्च निकालने के बाद कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, माले और तृणमूल कांग्रेस (ममता गुट) के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ अशोक कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। जानकारी के मुताबिक एसआईआर के दौरान तैयार की गई मसौदा सूची से 47 लाख से अधिक नाम बाहर कर दिए गए हैं, जबकि रिकॉर्ड में विसंगतियां होने के कारण 33 लाख से अधिक लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। बयान में कहा गया था कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने नोटिस वापस लेने और उन सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में बहाल करने की मांग की, जिनके नाम हटा दिए गए हैं।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव: जनता ट्रंप से नाराज,सुरक्षित सीटों पर भी कड़ा मुकाबला

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में बस तीन हफ्ते का समय बचा है और ओपिनियन पोल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता लगातार घटती जा रही है। ट्रंप की नीतियों, ईरान युद्ध और कमरतोड़ महंगाई के कारण अमेरिकी जनता खासे गुस्से में है। हाल ये है कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का सुरक्षित गढ़ मानी जाने वाली सीटों पर ही संकट मंडराने लगा है। असमंजस में घिरे ट्रंप की पार्टी के नेताओं को डेमोक्रेट के गढ़ों में सेंध लगाने का सपना देखने के बजाय अपनी सुरक्षित सीटों पर ही जीत के लिए सारी ताकत झोंकनी पड़ रही है।अपनी ही पार्टी के घटते जनाधार और राष्ट्रपति की गिरती लोकप्रियता से परेशान निचले सदन प्रतिनिधि सभा के एक

रिपब्लिकन उम्मीदवार ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ट्रंप पार्टी का बेड़ा गर्क कर रहे हैं। महीनों तक राष्ट्रपति से प्रमुख उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां करने का आग्रह करने वाले कुछ रिपब्लिकन नेता इस कदर चिंतित हैं कि उन्हें लगता है कि ट्रंप का चुनाव प्रचार में आना फायदे की जगह नुकसान पहुंचा रहा है।जीती मानी गई सीटों पर बहा रहे करोड़ों डॉलरः कड़े मुकाबले वाली सीटों की संख्या अचानक बढ़ने से रिपब्लिकन नेताओं की वो योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, जिसके तहत आखिरी दौर में करोड़ों डॉलर खर्च करके अपनी बढ़त बनाना चाहते थे। ट्रंप समर्थक सुपर-पैक मागा इंक से भारी फंडिंग के बावजूद, पार्टी की किस्मत नहीं बदल सकी है। सारा पैसा उन सीटों को बचाने में चला जा रहा है, जिन्हें पहले ही जीती हुई माना गया था। बतौर उदाहरण, सीनेट चुनावों का सबसे बड़ा रिपब्लिकन सुपर-पैक सीनेट लीडरशिप फंड नॉर्थ कैरोलिना में अपने विज्ञापन रोककर कम से कम 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) कंसास राज्य में लगा रहा है, जबकि यह ऐसा राज्य है जिसने 1932 के बाद से किसी डेमोक्रेट को सीनेट में नहीं भेजा। साउथ कैरोलिना जैसे गढ़ में मौजूदा सीनेटर डार्लिन ग्राहम को डेमोक्रेट उम्मीदवार एनी एंड्रयूज से पिछड़ने से बचाने के लिए 5 मिलियन डॉलर और दिए गए हैं। फंड ने टेक्सास में केन पैक्सटन को बचाने के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं जो डेमोक्रेट जेम्स टैलारिको से कड़े मुकाबले में फंसे हैं।ट्रंप के राजनीतिक विज्ञापनों पर रोकअमेरिका की एक कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया कि राष्ट्रपति के राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने के लिए करदाताओं के लाखों डॉलर से बने टीवी विज्ञापनों को रद करें। न्यूयॉर्क में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर एल रोचोन ने अस्थायी रोक का आदेश जारी किया, जिससे प्रशासन को बचे सभी विज्ञापन रद करने होंगे। एजेंसीक्या होता है मध्यावधि चुनावअमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। आखिर यह चुनाव क्या होता है और इसे कब कराया जाता है, इसी पर एक नजर...निचले सदन के कितने प्रतिनिधि चुनेगी जनता?अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों के लिए हर दो वर्ष में चुनाव होते हैं। लेकिन जब ये चुनाव मौजूदा राष्ट्रपति के निर्वाचन के दो साल बाद यानी कार्यकाल के ठीक बीच में होते हैं तो इन्हें मध्यावधि चुनाव कहा जाता है।इस चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि निचले सदन में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा रहेगा या विपक्षी डेमोक्रेट हावी होंगे। अभी निचले सदन में 219 रिपब्लिकन और 214 डेमोक्रेट सांसद हैं। दो सीटें खाली हैं।और किन प्रतिनिधियों का होगा चुनावप्रतिनिधिसभा सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होता है।

मस्क ने ट्रंप की पार्टी को दिए 2500 करोड़ रुपये: बर्नी सैंडर्स भड़के

बोले- धनकुबेरों को रोको

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति कारोबारी और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क इन दिनों दो देशों में अलग-अलग वजहों से चर्चा में हैं। भारत में उन्होंने स्टारलिंक की शुरुआत को लेकर मुकेश अंबानी पर तंज कसा था। अब अमेरिका में सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने मस्क के राजनीतिक चंदे को लेकर उन पर निशाना साधा है। सैंडर्स का आरोप है कि मस्क अपने पैसे के दम पर अमेरिकी राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मस्क को रोको, धनकुबेरों के वर्चस्व को रोको।

अमेरिका में मस्क के चंदे पर क्यों उठे सवाल: अमेरिका में बर्नी सैंडर्स ने मस्क के राजनीतिक चंदे को लेकर सवाल उठाए हैं। सैंडर्स के मुताबिक, मस्क ने 2024 में डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव जिताने के लिए करीब 29 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसके बाद मस्क की संपत्ति में 696 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई और वह दुनिया के पहले खरबपति बन गए। संपत्ति में बढ़ोतरी से जुड़ा यह आंकड़ा सैंडर्स के दावे के रूप में सामने आया है।सैंडर्स ने अपनी पोस्ट में कहा कि अब मस्क अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण बनाए रखने के लिए 36.6 करोड़ डॉलर खर्च कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने धनकुबेरों के राजनीतिक प्रभाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि मस्क और ऐसे लोगों के वर्चस्व को रोकने की जरूरत है।

भारत में अंबानी पर क्यों कसा था तंज

मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच मस्क ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया था कि भारत में कुछ बड़े कारोबारी अपने एकाधिकार को बचाने के लिए स्टारलिंक की शुरुआत में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए पूछा था कि क्या वह भारत के असली ताकतवर व्यक्ति हैं। इसके बाद उन्होंने व्यंग्य में अंबानी को प्रधानमंत्री अंबानी कहकर संबोधित किया। भारत में मस्क ने अंबानी पर बाजार में एकाधिकार बनाए रखने का आरोप लगाया। अमेरिका में सैंडर्स उन पर राजनीतिक चंदे के जरिये सत्ता और संसद पर प्रभाव बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों मामलों में आर्थिक ताकत और उसके प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, अमेरिका में राजनीतिक चंदा देना अपने आप में किसी सौदे या सरकारी लाभ का सबूत नहीं है।

रिपब्लिकन पार्टी को कितना पैसा दिया

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए जुलाई से अब तक 27.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 2,500 करोड़ रुपये दिए हैं। 2025-26 के चुनाव चक्र में रिपब्लिकन समूहों को उनका कुल योगदान 36.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 3,300 करोड़ रुपये बताया गया है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेट लीडरशिप फंड को 15.8 करोड़ डॉलर दिए। इसके अलावा, रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय अमेरिका पीएसी को 7.6 करोड़ डॉलर और हाउस रिपब्लिकन के प्रमुख सुपर पीएसी को दो करोड़ डॉलर दिए। टेक्सास में सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन वाले समूह को भी एक करोड़ डॉलर दिए गए। रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन को एक करोड़ डॉलर मिले।

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, सीधी में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

स्व-गणना और मोबाइल ऐप से जुटाई जाएगी जानकारी, गणना ब्लॉकों के गठन से लेकर कर्मचारियों की नियुक्ति तक की प्रक्रिया समझाई गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार, सीधी में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हुआ अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी बी.पी. पांडेय के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में जनगणना कार्य को व्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जिले में जनगणना कार्य की पूर्व तैयारियों को मजबूत करना तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराना रहा। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य निदेशालय, भोपाल से आए जिला प्रभारी सुमित मौर्य एवं प्रशिक्षक वैभव अग्रवाल ने अधिकारियों को जनगणना के द्वितीय चरण की कार्ययोजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी इस दौरान गणना ब्लॉकों के गठन, कर्मचारियों की नियुक्ति, कार्यों के आवंटन और जनगणना संबंधी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

गणना ब्लॉकों का गठन और कार्मिकों की नियुक्ति पर जोर: प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना कार्य के सुचारु संचालन के लिए गणना ब्लॉकों का गठन व्यवस्थित तरीके से किया जाना आवश्यक है प्रत्येक क्षेत्र में कार्यभार के अनुसार कार्मिकों की तैनाती और उनके दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जाएगा इसके साथ ही कार्य का समान वितरण सुनिश्चित करने, अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता का आकलन करने तथा जरूरत के अनुसार उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से समझाया गया अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में बेहतर समन्वय, समयबद्ध कार्ययोजना और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण महत्वपूर्ण है सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं का आकलन करते हुए तैयारियों को निर्धारित समयसीमा के अनुसार पूरा करने पर ध्यान देना होगा।

स्व-गणना और मोबाइल ऐप से होगा डेटा संकलन: जनगणना 2027 की प्रक्रिया में डिजिटल माध्यमों के उपयोग को भी महत्वपूर्ण बताया गया प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि स्व-गणना के विकल्प के माध्यम से परिवार के सदस्य निर्धारित पोर्टल पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे इसके अतिरिक्त प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्धारित विवरण एकत्र करेंगे। प्रशिक्षकों ने डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग, जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया और जनगणना कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की स्व-गणना और मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा संकलन की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि निर्धारित प्रश्नों के माध्यम से लोगों से आवश्यक विवरण एकत्र किए जाएंगे इसमें सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और प्रवास सहित विभिन्न विषयों से संबंधित 40 प्रश्न पूछे जाने की जानकारी दी गई अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनगणना कार्य के दौरान जानकारी के संकलन और संबंधित प्रक्रियाओं को गंभीरता से समझें गणना कार्य में लगे कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, कार्यों का उचित प्रबंधन करने और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया जनगणना के आंकड़ों की सटीकता बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने की आवश्यकता भी बताई गई। दो दिवसीय प्रशिक्षण में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण एवं नगरीय चार्ज अधिकारी तथा जनगणना कार्य से जुड़े अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना के आगामी चरण में आने वाली प्रशासनिक और व्यावहारिक आवश्यकताओं से अवगत कराया गया प्रशिक्षण के समापन के साथ ही जिले में जनगणना 2027 की तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल पूरी हुई प्रशासन का उद्देश्य जनगणना कार्य को बेहतर योजना, उचित संसाधन प्रबंधन और आपसी समन्वय के साथ संपन्न कराना है, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आंकड़ों का संकलन किया जा सके और कार्य में पारदर्शिता एवं सटीकता बनी रहे।

मेडिकल कॉलेज के ICU के पास गुटखा थूकने पर विवाद, गार्ड को चाकू दिखाकर धमकाया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। । मेडिकल कॉलेज में आईसीयू वार्ड के पास गुटखा थूकने से रोकने पर दो युवकों द्वारा सुरक्षाकर्मी को चाकू दिखाकर धमकाने का मामला सामने आया है घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों को पकड़कर गार्ड रूम में बंद कर दिया और डायल 112 को सूचना दी आरोप है कि देर रात मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम बिना युवकों को हिरासत में लिए लौट गई मंगलवार सुबह अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर सोहागपुर पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार सुरक्षाकर्मी शारदा प्रसाद रात में मेडिकल कॉलेज के आईसीयू वार्ड के पास ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान दो युवक अपनी महिला मित्रों के साथ वहां बैठे थे बताया गया कि युवकों की महिला मित्रों के परिजन अस्पताल में भर्ती थे सुरक्षाकर्मी ने युवकों से वहां बैठने के संबंध में पूछताछ की इसी दौरान एक युवक ने गुटखा थूक दिया शारदा प्रसाद ने इस पर आपत्ति जताई जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि एक युवक ने चाकू निकालकर सुरक्षाकर्मी को धमकाया। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मी ने अपने साथियों को बुलाया कर्मचारियों ने दोनों युवकों को पकड़कर गार्ड रूम में बंद कर दिया और डायल 112 को सूचना दी हालांकि सुरक्षाकर्मियों का आरोप है कि मौके पर पहुंची टीम बिना कार्रवाई किए लौट गई।

दिव्यांगजनों का सम्मान और सशक्तीकरण समावेशी समाज की आधारशिला ,

सेवा समर्पण के संकल्प के साथ आयोजित हुआ सम्मान समारोह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सेवा ही मेरा योगदान' संकल्प से प्रेरित दिव्यांगजन सम्मान समारोह का आयोजन महाबली गौतम द्वारा किया गया समारोह में जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तीकरण के प्रति समाज को जागरूक करना रहा समारोह में वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प से प्रेरणा लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान एवं उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करना सभी का दायित्व है दिव्यांगजनों को समान अवसर सम्मानजनक वातावरण और आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना एक संवेदनशील एवं समावेशी समाज की पहचान है दिव्यांगजन भी अपनी प्रतिभा, क्षमता और मेहनत के बल पर समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं ऐसे में उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक नागेंद्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह, मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया सिंह और पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे इसके अलावा मऊगंज भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, कमलेश्वर सिंह, राम सिंह, विद्या प्रकाश श्रीवास्तव, रमेश गर्ग, राजेंद्र ताम्रकार, विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष विमलेश मिश्रा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अनिल पटेल, योगेंद्र शुक्ला, पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी और भारतीय मजदूर संघ के पूर्व अध्यक्ष बसंत दुबे सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

जवा जनपद में स्वच्छता अभियान पर उठे सवाल, श्रमदान या सिर्फ फोटो सेशन?

एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान की जमीनी हकीकत पर सवाल, जवा और बरौली ठकुरान में गंदगी को लेकर उठीं शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत जवा जनपद पंचायत में आयोजित 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' गतिविधि की वास्तविकता पर सवाल उठाए जा रहे हैं आरोप है कि 1 अक्टूबर को जनपद पंचायत परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान के बजाय फोटो खिंचवाने पर अधिक ध्यान दिया हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत जवा के सीईओ सुलाब सिंह पुसाम के मार्गदर्शन में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद समाचार पत्रों में अधिकारियों, कर्मचारियों और समाजसेवियों द्वारा श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई करने की खबरें प्रकाशित हुई थीं अब स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या वास्तव में निर्धारित समय तक श्रमदान किया गया या कार्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर रह गया।

दो मिनट भी झाड़ू नहीं लगाने का आरोप: स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार, सीईओ सहित कुछ अधिकारी-कर्मचारी झाड़ू लेकर फोटो खिंचवाते नजर आए लेकिन वास्तविक सफाई में उनकी भागीदारी बेहद कम रही आरोप लगाने वालों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी ही अभियान को गंभीरता से नहीं लेंगे तो अधीनस्थ कर्मचारियों और ग्राम पंचायतों से बेहतर परिणामों की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

जवा और बरौली ठकुरान की सफाई व्यवस्था पर सवाल: जवा मुख्यालय और ग्राम पंचायत बरौली ठकुरान में गंदगी को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारी-कर्मचारी नियमित रूप से इन रास्तों से गुजरते हैं इसके बावजूद सफाई व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता ऐसे में स्वच्छता के नाम पर होने वाले खर्च और जमीनी स्थिति की समीक्षा की मांग उठ रही है।

पाठशाला पब्लिक स्कूल में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ढेकहा स्थित पाठशाला पब्लिक स्कूल में संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता एवं श्रीमती नर्मदा गुप्ता के मार्गदर्शन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना रहा विद्यालय की प्राचार्य सारिका गुप्ता ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है समाज में मानसिक समस्याओं को लेकर व्याप्त झिझक और गलत धारणाओं को दूर करने की आवश्यकता है समय पर चिकित्सकीय परामर्श और काउंसलिंग लेने से समस्याओं के समाधान में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल, टीवी और लैपटॉप का असंतुलित उपयोग बच्चों के व्यवहार और दिनचर्या को प्रभावित कर सकता है बच्चों में चिड़चिड़ापन, जिद और गुस्से जैसी प्रवृत्तियों पर अभिभावकों को ध्यान देना चाहिए बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना उनकी भावनाओं को समझना और उन्हें सकारात्मक वातावरण देना जरूरी है। प्राचार्य ने ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया उन्होंने बताया कि भारत सरकार की टेली-मानस हेल्पलाइन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में मानसी गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता, दीपाली केशरवानी, अमित केशरी, सरिता गुप्ता, आयुष्मान गुप्ता, श्रुति गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, आर्यमान गुप्ता, शौर्यमान गुप्ता, गीता द्विवेदी, खुशी सिंह, नेहा सिंह, अंजली सिंह, मुस्कान तिवारी, एकता तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आदिवासी बस्ती कैथबारी में श्री कैथबारी नाथ हनुमानजी की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न ,नवरात्रि के पावन अवसर पर विधि-विधान से हुई स्थापना

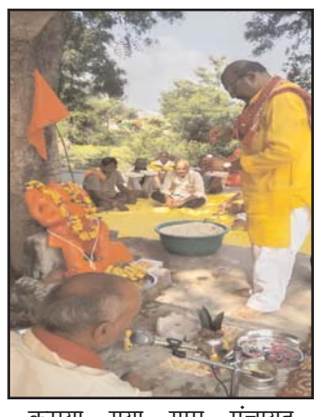

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। तराई अंचल की तहसील जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत सितलहा की आदिवासी बस्ती कैथबारी में मंगलवार, 13 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री हनुमानजी की दिव्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान के साथ संपन्न इस धार्मिक अनुष्ठान में बस्ती सहित आसपास के श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ सहभागिता की जानकारी के अनुसार श्री दुअरा नाथ से लाई गई सिद्ध एवं दिव्य श्री हनुमानजी की प्रतिमा की स्थापना कैथबारी में 'श्री कैथबारी नाथ हनुमानजी स्वामी' के नाम से की गई प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पंडित विनोद एवं मुकुल पंडित, सितलहा के मार्गदर्शन में संपन्न कराया गया ग्राम पंचायत सितलहा के सरपंच अमित चक्रधर सिंह की सहभागिता में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस अनुष्ठान में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत आरती और भजन-कीर्तन किया गया जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। आरती एवं भजन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया इसके साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा का दिव्य अनुष्ठान संपन्न हुआ ग्रामीणों के लिए यह आयोजन धार्मिक आस्था और सामूहिक सहभागिता का महत्वपूर्ण अवसर रहा आदिवासी बस्ती कैथबारी में श्री हनुमानजी की प्रतिमा की स्थापना से श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया ग्रामवासियों ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में शांति, सद्भाव और मंगल की कामना की।

870 ग्राम की नवजात ने 58 दिन तक लड़ी जिंदगी की जंग, शहडोल के डॉक्टरों ने बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिला अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की मेहनत, बेहतर इलाज और मां की देखभाल से महज 870 ग्राम वजन के साथ जन्मी एक नवजात बच्ची स्वस्थ होकर घर लौट गई सातवें महीने में जन्मी इस बच्ची का 58 दिनों तक विशेष निगरानी में इलाज किया गया इस दौरान करीब चार बार उसकी हालत गंभीर हुई लेकिन डॉक्टरों की टीम ने हर बार स्थिति को संभाल लिया 13 अक्टूबर को बच्ची को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई जानकारी के अनुसार जयसिंहनगर तहसील की रहने वाली स्वरूपा सेन ने 15 जुलाई को सातवें महीने में बच्ची को जन्म दिया था जन्म के समय बच्ची का वजन केवल 870 ग्राम था समय से पहले जन्म होने के कारण उसे सांस लेने में पेशानी हो रही थी नवजात की नाजुक स्थिति को देखते हुए तत्काल जिला अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया।

सीपैप मशीन से दी गई सांस लेने में मदद: अस्पताल में बच्ची को सीपैप मशीन के जरिए सांस लेने में सहायता दी गई साथ ही फेफड़ों के विकास और स्वास्थ्य में सुधार के लिए आवश्यक दवाएं दी गईं 58 दिनों के उपचार के दौरान बच्ची की स्थिति कई बार बिगड़ी खून की कमी होने पर उसे चार बार रक्त चढ़ना पड़ा डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने लगातार निगरानी करते हुए उसका उपचार जारी रखा।

कंगारू मदर केयर से भी मिली मदद: बच्ची के उपचार में दवाओं और चिकित्सकीय देखरेख के साथ मां की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही कंगारू मदर केयर (केएमसी) तकनीक के माध्यम से मां ने बच्ची को अपने सीने से लगाकर रखा इससे नवजात को गर्माहट और देखभाल मिली लगातार उपचार और देखभाल के बाद बच्ची का वजन बढ़कर 1 किलो 700 ग्राम हो गया स्वास्थ्य में सुधार के बाद 13 अक्टूबर को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई ।

पॉलीटेनिक कॉलेज सीधी में टेनो चैलेंज प्रदर्शनी, विद्यार्थियों ने दिखाए तकनीकी नवाचार

करियर काउंसलिंग में रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों की दी जानकारी, चित्रकला, भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीधी में टेक्नो चैलेंज मॉडल प्रदर्शनी एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न तकनीकी मॉडलों, परियोजनाओं और नवाचारों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा, विद्युत, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, कृषि, यातायात और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना था प्रदर्शनी में स्मार्ट एग्रीकल्चर, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, मोबाइल एप्लीकेशन, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और वेस्ट टू आर्ट जैसे विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए गए।

रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों पर मार्गदर्शन: करियर काउंसलिंग सत्र में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता की संभावनाओं से अवगत कराया जिला उद्योग केंद्र के प्रतिनिधियों ने स्थानीय उद्योगों और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसरों की जानकारी दी जिला रोजगार विभाग ने रोजगार मेलों एवं करियर निर्माण के बारे में बताया, जबकि शासकीय आईटीआई सीधी ने व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास योजनाओं की जानकारी साझा की छात्र संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों की करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया कार्यक्रम में पूर्व छात्रों को सम्मानित करने के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने मारी बाजी: चित्रकला प्रतियोगिता में ईशान बहेलिया ने प्रथम, प्रिंस चतुर्वेदी ने द्वितीय और आशुतोष प्रसाद मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया भाषण प्रतियोगिता में शिवेंद्र पाठक प्रथम, ध्रुव सिंह चौहान द्वितीय और रूपाली मिश्रा तृतीय रहीं निबंध प्रतियोगिता में सपना पाण्डेय ने प्रथम, अंश पाण्डेय ने द्वितीय और अंजलि गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया।

सीएम हेल्पलाइन कागजी घोड़ा साबित हो रही, शिकायतों के निराकरण में लापरवाही का आरोप : अनुपम तिवारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी अनुपम तिवारी ने सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि रीवा जिले में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए शुरू की गई यह योजना अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही है उन्होंने कहा कि कई शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं होने से लोगों को पेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तिवारी के अनुसार शासन स्तर पर 90 और 100 दिन से लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए लगातार समीक्षा और निर्देश दिए जाते हैं लेकिन जिले में कुछ अधिकारी-कर्मचारी कथित तौर पर काल्पनिक एवं असत्य कारण दर्ज कर शिकायतें बंद कर रहे हैं उन्होंने विशेष रूप से कलेक्ट्रेट स्थित जिला भू-अर्जन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन के मुआवजे से संबंधित शिकायतों का निराकरण नहीं होने से प्रभावित लोगों को पेशानी हो रही है तिवारी ने आशंका जताई कि कुछ मामलों में जानबूझकर देरी कर लोगों पर अनुचित दबाव बनाया जा सकता है हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

राहुल गांधी की सियासत पर सवाल

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने में असमर्थता जताकर बिल्कुल सही कदम उठाया। जिस मामले की सुप्रीम कोर्ट पहले से ही सुनवाई कर रहा हो, उसे लेकर किसी दल के नेताओं को मुख्य न्यायाधीश से संपर्क एवं संवाद करने का न तो कोई औचित्य है और न ही ऐसी कोई परंपरा रही है। राहुल गांधी शुद्ध संकीर्ण राजनीतिक कारणों से एक नई, किंतु खराब परंपरा स्थापित करने की जो कोशिश कर रहे थे, उसे खारिज किया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राहुल गांधी के समक्ष उन कारणों को दो टूक ढंग से स्पष्ट किया कि वे उनसे मुलाकात क्यों नहीं कर सकते? अच्छा हो कि राहुल गांधी को यह समझ आए कि वे हर मामले में मनमानी नहीं चला सकते। उन्हें सुनिश्चित लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि वे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने के आदी हो चुके हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर के मुद्दे पर ही राष्ट्रपति से मुलाकात करने के बाद इतना अधिक बेतुका बयान दिया कि राष्ट्रपति भवन को उसका तुरंत खंडन करना पड़ा। इस खंडन ने राहुल गांधी को एक अगंभीर एवं अविश्वसनीय नेता के तौर पर ही रेखांकित किया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बार वे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर भी गलत बयानी कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें माफी भी मांगनी पड़ी थी, लेकिन उनका रवैया सुधरा नहीं। एसआईआर के मुद्दे को अनावश्यक तूल दे रहे राहुल गांधी ने इस तथ्य की अनदेखी ही कि इस मुद्दे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की पीठ की ओर से ही की जा रही है। यदि उन्हें इस मामले में कुछ और कहना-बताना था तो उसका तरीका याचिका ही हो सकता था। आखिरकार उन्हें इसी तरीके का सहारा लेना पड़ा। वैसे तो राहुल गांधी एक लंबे अर्से से एसआईआर को वोट चोरी बताने में लगे हुए हैं, लेकिन जबसे यह समाचार आया कि एसआईआर के कुछ पहलुओं पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से असहमत थे, तबसे राहुल गांधी नए सिरे से आक्रामक हो गए। हालांकि इस खबर के बाद तीनों चुनाव आयुक्तों ने यह बयान जारी करके स्पष्ट किया कि जो भी असहमतियां थीं, उनका समाधान कर लिया गया था। कायदे से इसके साथ ही इस प्रसंग का पटाक्षेप हो जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सड़कों पर उतरना आवश्यक समझा। बहती गंगा में हाथ धोने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के लोग भी मैदान में आ गए। राहुल गांधी और सीजेपी के नेता कुछ भी दावा करें, एसआईआर को लेकर उनका शोरगुल एक शिगूफे से अधिक कुछ नहीं।

प्रदर्शनों के खर्च पर सवाल

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के पिछले दिनों हुए तीन प्रदर्शनों के खर्च को लेकर राजनीतिक और बौद्धिक हलकों में चर्चा हो रही है। मुख्य सवाल यह है कि इन आयोजनों के लिए धन कहां से जुटाया जा रहा है? क्या आम लोगों के छोटे-छोटे स्वैच्छिक योगदान से ऐसे प्रदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं या इसके पीछे कोई दूसरी आर्थिक व्यवस्था भी है? इन सवालों का जवाब आरोपों और अनुमानों के बजाय तथ्यों तथा वित्तीय पारदर्शिता के आधार पर तलाशना जरूरी है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन को सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन करने और जनसमर्थन जुटाने का अधिकार है। साथ ही, उसके आर्थिक संसाधनों और खर्च को लेकर सवाल उठाना भी स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े आयोजन किये जाने की चर्चा हो, हालांकि केवल प्रदर्शन में जुटी भीड़ देखकर किसी संदिग्ध वित्तीय स्रोत का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

मीडिया में उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बोस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की है। संगठन की स्थापना से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी की डिजिटल मीडिया टीम के साथ काम किया और दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में संचार सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं। उनकी यह पृष्ठभूमि राजनीतिक संचार, जनसंपर्क और मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में अनुभव को दर्शाती है लेकिन इससे उनकी वर्तमान आय, निजी आर्थिक स्थिति या संगठन के कार्यक्रमों में उनके व्यक्तिगत योगदान की जानकारी नहीं मिलती। इसी प्रकार, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता बताए जाने वाले सौरभ दास स्वतंत्र खोजी पत्रकार और सूचना का अधिकार कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, उनकी आय का संबंध पत्रकारिता और विभिन्न मीडिया मंचों के लिए लेखन से है। वहीं, संगठन के रणनीतिकार और प्रवक्ता के रूप में चर्चित आशुतोष रांका आईआईटी कानपुर से पढ़े हैं और लंदन में मैकिन्से में सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। वह दिल्ली असेंबली फेलोशिप सहित जनहित से जुड़े कार्यों में भी भागीदारी कर चुके हैं। इन तीनों की शैक्षणिक और पेशेवर योग्यताएं उनके अनुभव का परिचय देती हैं लेकिन इनके आधार पर संगठन की आर्थिक क्षमता या किसी संदिग्ध वित्तीय स्रोत की पुष्टि नहीं की जा सकती। इसके लिए आय, व्यय और चंदे से संबंधित ठोस जानकारी आवश्यक है।

छोटे चंदे से बड़े आयोजन कितने संभव?

कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से कथित तौर पर कहा जाता है कि प्रदर्शनों का खर्च स्थल पर रखे दानपात्र, आम लोगों के स्वैच्छिक योगदान और शुभचिंतकों की सहायता से पूरा किया जाता है। कुछ लोगों को यह व्यवस्था बड़े आयोजनों के खर्च के लिहाज से अपर्याप्त लग सकती है। लेकिन इस आशंका की पुष्टि के लिए वास्तविक खर्च और जुटाई गई राशि का विवरण जरूरी है। किसी प्रदर्शन की लागत प्रतिभागियों की संख्या, परिवहन, प्रचार सामग्री, ध्वनि उपकरण, बैनर, भोजन, पानी और आयोजन की अवधि पर निर्भर करती है। यदि प्रतिभागी अपने खर्च पर पहुंचते हैं, स्वयंसेवक बिना पारिश्रमिक काम करते हैं और प्रचार के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग होता है तो लागत कम भी हो सकती है। इसके विपरीत, व्यापक व्यवस्थाओं वाले कार्यक्रमों में खर्च बढ़ सकता है। इसलिए सवाल यह नहीं कि प्रदर्शन बड़ा था तो धन का स्रोत भी असामान्य ही होगा। असल सवाल यह है कि आयोजनों पर कितना खर्च हुआ, धन किस माध्यम से मिला और उसका हिसाब किस प्रकार रखा गया।

बैंक खाते और विदेशी फंडिंग का सवाल

चर्चा में यह दावा भी सामने आता है कि संगठन का कोई पंजीकृत बैंक खाता नहीं है और उसे विदेशी फंडिंग नहीं मिलती। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि के बिना इन्हें अंतिम तथ्य मानना उचित नहीं होगा। संगठन का पंजीकरण, बैंक खाते का संचालन, चंदा स्वीकार करने के नियम और विदेशी स्रोतों से धन प्राप्त करने की पात्रता अलग-अलग विषय हैं। भारत में विदेशी अंशदान प्राप्त करने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के प्रावधान लागू होते हैं। किसी संगठन को विदेशी धन मिलने के आरोप की पुष्टि राजनीतिक संबंधों, विचारधारा या किसी नेता के पुराने पेशेवर जुड़ाव से नहीं की जा सकती। इसके लिए वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड या सक्षम एजेंसियों की जांच जैसे ठोस आधार चाहिए। यदि संगठन छोटे स्वैच्छिक योगदान से कार्यक्रम आयोजित करता है तो आयोजनवार खर्च, प्राप्त चंदे और भुगतान का विवरण सार्वजनिक करना उसके लिए उपयोगी होगा।

मां योगमाया के दरबार में आस्था की अखंड ज्योति

जमालपुर की पहचान केवल रेल कारखाने की सीटी, लोहे की पटरियों और श्रम-संस्कृति से नहीं बनती। इस लौहनगरी की आत्मा में आस्था की ऐसी धाराएं भी बहती हैं, जिन्होंने पीढ़ियों के जीवन को अर्थ और संबल दिया है। श्री योगमाया बड़ी दुर्गा स्थान, उदासीन आश्रम, सदर बाजार इसी धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है। यहां मां दुर्गा की आराधना केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि नगर की सामूहिक स्मृति, पारिवारिक संस्कार और लोकविश्वास की निरंतरता है। शारदीय नवरात्र आते ही मंदिर की घंटियां, आरती के स्वर और श्रद्धालुओं की भीड़ उस परंपरा को फिर जीवंत कर देती है, जिसका इतिहास लगभग दो सौ वर्ष पुराना बताया जाता है।

कुमार कृष्णन

इस मंदिर की विशेषता को समझने के लिए उसके इतिहास के साथ उस सामाजिक परिवेश को भी देखना होगा, जिसमें इसकी धार्मिक प्रतिष्ठा विकसित हुई। जमालपुर रेल कारखाने की स्थापना 8 फरवरी 1862 को हुई थी। मंदिर के बारे में प्रकाशित विवरण इसे कारखाने की स्थापना से लगभग 35 वर्ष पहले का बताते हैं। इस आधार पर इसकी स्थापना उन्नीसवीं सदी के आरंभिक दशकों में मानी जाती है। हालांकि सटीक स्थापना-वर्ष की पुष्टि के लिए पुराने अभिलेखों और स्थानीय ऐतिहासिक दस्तावेजों का अध्ययन आवश्यक है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि स्थानीय धार्मिक स्मृति में यह दुर्गास्थान जमालपुर की पुरानी आस्था-परंपराओं में गिना जाता है।

मंदिर की स्थापना से जुड़ी कथा इसके इतिहास को एक आध्यात्मिक आयाम देती है। वर्तमान महंत डॉ. मनोहर दास के अनुसार उदासीन संत महंत प्रयाग दास नेपाल के रामधुनी वन से लौटने के बाद जमालपुर पहुंचे थे। विश्राम के दौरान उन्हें मां भगवती के दर्शन हुए। मान्यता है कि देवी ने उन्हें अपने उसी स्वरूप की प्रतिमा स्थापित करने का निर्देश दिया, जिसका उन्होंने दर्शन किया था। इस अनुभूति से प्रेरित होकर महंत प्रयाग दास जयपुर गए और वहां से संगमरमर की प्रतिमा बनवाकर जमालपुर लाए। इसे प्रमाणित ऐतिहासिक घटना के बजाय मंदिर की लोकस्मृति और धार्मिक परंपरा के रूप में समझना उचित होगा।

मां योगमाया की प्रतिमा इस मंदिर की सबसे विशिष्ट पहचान है। सामान्यतः महिषासुरमर्दिनी के स्वरूप में देवी को महिषासुर के वक्षस्थल पर त्रिशूल प्रहार करते हुए दिखाया जाता है, लेकिन यहां स्थापित संगमरमर की प्रतिमा में त्रिशूल महिषासुर के जबड़े में विद्ध दिखाई देता है। प्रतिमा का यह विशिष्ट स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और कौतूहल का विषय है। प्रकाशित विवरणों में दिन के तीनों पहरों में प्रतिमा के अलग-अलग रूपों के दर्शन की अनुभूति का भी उल्लेख मिलता है। भक्तों के लिए यह केवल शिल्प की विशिष्टता नहीं, बल्कि देवी की जीवंत उपस्थिति का अनुभव है। देवी के इस स्वरूप में शक्ति की एक व्यापक व्याख्या भी निहित है। महिषासुर का वध केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि अहंकार, अत्याचार और अन्याय पर विवेकपूर्ण शक्ति की विजय का प्रतीक है। देवी के हाथ में त्रिशूल उस संकल्प का संकेत है, जो अन्याय के सामने झुकने से इनकार करता है। आज के समय में इस प्रतीक का अर्थ और व्यापक हो जाता है। शक्ति की आराधना तभी सार्थक है, जब समाज निर्बल की रक्षा करे, स्त्रियों के सम्मान को सुनिश्चित करे और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस जुटाए। योगमाया बड़ी दुर्गा स्थान की पहचान केवल देवी की प्रतिमा तक सीमित नहीं है। मंदिर परिसर में उदासीन संप्रदाय के पूर्ववर्ती महंतों की समाधियां, शिवालय और सिद्धधुना भी हैं। महंत प्रयाग दास, युगत राम, विष्णु दास, पंचम दास और भगवती नंदन के समाधि स्थल हैं। यहां स्थित सिद्धधुना को संतों और दुर्गा-साधकों की तपस्या से जुड़ा स्थल माना जाता है। श्रद्धालुओं में इसकी भभूति के प्रति भी विशेष आस्था है। इस

प्रकार मंदिर का परिसर शक्ति-उपासना, संत-स्मृति और साधना की परंपरा को एक साथ समेटे हुए है। उदासीन आश्रम की उपस्थिति इस धार्मिक स्थल को एक अलग पहचान देती है। उदासीन संत परंपरा में वैराग्य, आत्मानुशासन, साधना और सेवा को महत्त्व दिया जाता है। यहां मां दुर्गा की आराधना और संतों की समाधियों के प्रति श्रद्धा एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। देवी का दरबार जहां शक्ति और संरक्षण का भाव जगाता है, वहीं आश्रम की संत परंपरा मनुष्य को आत्मचिंतन और संयम की ओर प्रेरित करती है। यह संगम बताता है कि भारतीय धार्मिक जीवन में भक्ति और साधना अक्सर एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। शारदीय नवरात्र के दौरान इस मंदिर का वातावरण विशेष रूप से जीवंत हो उठता है। कलश स्थापना के साथ पूजा-अर्चना आरंभ होती है। वैदिक मंत्रोच्चार, देवी-पाठ, नवपत्रिका पूजा, प्राण-प्रतिष्ठा और आरती जैसे अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है।यहां स्थायी संगमरमर की प्रतिमा के अतिरिक्त शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा की मिट्टी की प्रतिमा भी स्थापित की जाती है। सप्तमी से दशमी तक दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। अष्टमी और नवमी के अवसर पर देर रात तक श्रद्धालुओं के आने का उल्लेख भी मिलता है।

नवरात्र का धार्मिक महत्त्व केवल नौ दिनों की पूजा और व्रत तक सीमित नहीं है। यह आत्मशुद्धि, संयम और अपने भीतर की दुर्बलताओं से संघर्ष का अवसर भी है। देवी के नौ रूप जीवन के विभिन्न गुणों और शक्तियों की याद दिलाते हैं। मां शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक की आराधना मनुष्य को श्रद्धा, साहस, तप, करुणा और विवेक के अलग-अलग आयामों से जोड़ती है। यदि पूजा के बाद भी व्यवहार में अहंकार बना रहे, कमजोर के प्रति उपेक्षा कायम रहे और अन्याय को देखकर हम मौन रहें, तो नवरात्र की साधना अधूरी रह जाती है। देवी की सच्ची उपासना का अर्थ अपने भीतर ऐसी शक्ति जगाना भी है, जो जीवन को अधिक न्यायपूर्ण और संवेदनशील बना सके।

इस मंदिर में दशमी के दिन खोइछा देने की परंपरा विशेष आकर्षण रखती है। दशमी की सुबह मंदिर के महंत द्वारा मां को पहला खोइछा दिया जाता है। इसके बाद महिलाएं और युवतियां अपनी बारी से यह रस्म निभाती हैं। इस अनुष्ठान में स्त्री-आस्था, पारिवारिक मंगलकामना और लोकपरंपरा का सुंदर मेल दिखाई देता है। खोइछा केवल पूजा की सामग्री अर्पित करने की रस्म नहीं, बल्कि मां के प्रति समर्पण और परिवार की सुख-शांति की कामना व्यक्त करने का माध्यम भी है। जमालपुर जैसे औद्योगिक नगर में इस मंदिर की सामाजिक भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। रेल कारखाने और उससे जुड़े श्रमिक जीवन ने यहां अनेक सामाजिक समूहों और परिवारों को एक साथ बसने का अवसर दिया। ऐसी परिस्थितियों में धार्मिक स्थल सामुदायिक संवाद, साझा उत्सव और सांस्कृतिक पहचान के केंद्र बनते हैं। नवरात्र के अवसर पर अलग-अलग पीढ़ियों के लोग एक ही परिसर में जुटते हैं। बुजुर्ग अपने अनुभव और स्मृतियां नई पीढ़ी को सौंपते हैं, बच्चे पूजा की परंपराओं से परिचित होते हैं और परिवार सामूहिक रूप से उत्सव में भाग लेते हैं। इस तरह मंदिर धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करता है। लेकिन किसी ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के प्रति सम्मान का अर्थ केवल उत्सव मनाना नहीं है। उसकी परंपराओं का दस्तावेजीकरण, पुराने अभिलेखों का संरक्षण और मंदिर से जुड़े मौखिक इतिहास का संकलन भी आवश्यक है। योगमाया बड़ी दुर्गा स्थान की स्थापना से संबंधित विवरण, महंतों की परंपरा, प्रतिमा के निर्माण की कथा और नवरात्र के विशिष्ट अनुष्ठानों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जाना चाहिए। स्थानीय बुजुर्गों, संतों और मंदिर प्रबंधन के सहयोग से ऐसा कार्य किया जा सकता है। इससे लोकविश्वास और प्रमाणित इतिहास के बीच अंतर स्पष्ट रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए इस विरासत का प्रामाणिक विवरण उपलब्ध होगा।

नवरात्र के दौरान स्वच्छता, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कतारों का सुव्यवस्थित प्रबंधन और बुजुर्गों तथा दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। आस्था का वातावरण तभी अधिक सार्थक बनता है, जब दर्शन के लिए आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और सुविधा मिले। मंदिर की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाएं विकसित करना उसकी परंपरा को आगे बढ़ाने का एक व्यावहारिक रास्ता है। श्री योगमाया बड़ी दुर्गा स्थान, उदासीन आश्रम, जमालपुर की महत्ता उसकी प्राचीनता के दावे भर में नहीं, बल्कि उस जीवंत सांस्कृतिक परंपरा में है, जो आज भी लोगों को एक साझा भावभूमि पर लाती है। यहां मां के दरबार में कोई सुख की कामना लेकर आता है, कोई संकट से मुक्ति की प्रार्थना करता है और कोई केवल मन की शांति के लिए शीश झुकाता है। आस्था के इन अलग-अलग रूपों के बीच एक साझा विश्वास है–कठिन समय में मनुष्य को साहस, आशा और सहारा चाहिए। मां योगमाया की आराधना का व्यापक संदेश भी यही है कि शक्ति का अर्थ केवल सामर्थ्य नहीं, बल्कि उस सामर्थ्य का लोकमंगल के लिए उपयोग है। करुणा के बिना शक्ति कठोर हो सकती है और न्याय के बिना भक्ति केवल कर्मकांड बनकर रह जाती है। इसलिए मां के चरणों में झुकना तभी पूर्ण होगा, जब हम अपने जीवन में संवेदना, सत्य और उत्तरदायित्व को स्थान दें। जमालपुर की इस धार्मिक विरासत में इतिहास की स्मृति है, संत परंपरा की साधना है और नवरात्र की सामूहिक ऊर्जा भी। मां योगमाया के दरबार में जलती अखंड आस्था की ज्योति हमें यही याद दिलाती है कि समाज की वास्तविक शक्ति उसके भीतर बसे विश्वास, सद्भाव और न्याय की आकांक्षा में होती है। यही इस मंदिर की सांस्कृतिक पहचान है और यही नवरात्र का सबसे गहरा संदेश।

सुधारों को तेजी से लागू करके ही भारत बनेगा समृद्ध

विकास सिंह

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य भारत के सामने एक बड़ा सार्वजनिक सपना है। आजादी के बाद के दशकों में भारत ने अपना ध्यान काफी हद तक नियंत्रित और सतर्क अर्थव्यवस्था पर रखा, जबकि दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों ने तेजी से औद्योगिकीकरण करके अपनी आय में बड़ा इजाफा किया। 1991 के सुधारों ने भारत की दिशा बदली, पर जमीन की व्यवस्था, अदालती फैसलों और उद्योगों में रोजगार की कमी की वजह से हम दूसरे देशों से पीछे रह गए। अब आने वाले समय में भारत के पास इस अंतर को पाटने का एक शानदार मौका है। बीते कुछ सालों में देश के बुनियादी ढांचे में काफी प्रगति हुई है। सरकार ने सड़क, रेल, बिजली और इंटरनेट जैसे बुनियादी ढांचे में काफी पैसा लगाया है। बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए लगातार बड़ा हिस्सा दिया जा रहा है। डिजिटल पेमेंट्स और सस्ते इंटरनेट ने आम लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा है। ये तमाम बातें निवेशकों को आकर्षित करती हैं और विकास का एक पक्का आधार तैयार करती हैं।

लेकिन सड़क और इंटरनेट होना ही काफी नहीं है, असली काम इनका इस्तेमाल करके बेहतर कारखाने और रोजगार बनाना है। किसी भी कारखाने को लगाने में आने वाली देरी सबसे बड़ी रुकावट है। जमीन की खरीद, पर्यावरण की मंजूरी और बिजली का कनेक्शन मिलने में महीनों लग जाते हैं। अलग-अलग राज्यों में इसका समय अलग होता है। निवेशक किसी राज्य के वादे से ज्यादा वहां की आसान प्रक्रिया को देखते हैं। भारत की प्रशासनिक व्यवस्था में अलग-अलग विभाग हैं और सभी जगह से क्लीयरेंस लेने में देरी होती है। नई सड़क या बांध का उद्घाटन करना नेताओं के लिए आसान और दिखने वाला काम है, लेकिन जमीन के विवाद सुलझाना और कानूनी प्रक्रिया को आसान बनाना ज्यादा वक्त लेता है। जमीन का मामला सबसे पेचीदा है। गलत या पुराने रिकार्ड होने से जमीन के विवाद बढ़ते हैं, जिससे औद्योगिक विकास रुका रहता है। इसी तरह मजदूर कानून को आसान बनाने की जरूरत है ताकि कंपनियां ज्यादा से ज्यादा लोगों को पक्की नौकरी दे सकें । सिर्फ नई सड़कें और पुल बनाने से बात नहीं बनेगी। हमारे पास पढ़े-लिखे, कुशल और स्वस्थ वर्कर भी होने चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल ट्रेनिंग पर ध्यान देना उतना ही जरूरी है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मर्यादाओं और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्यारह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

कांतिलाल मांडोत

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है।

रिहाई के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर लिखा कि कॉकरोच कभी नहीं मरते। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।

इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तथ्यपरक बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनियमितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्थन जताने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पूछे जाएं। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए।

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और

महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्व्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुरूप नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है।

दिल्ली में बीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की हिरासत ने भी प्रशासन की भूमिका पर चर्चा बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सरकार की आलोचना मात्र को अपराध का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अनिश्चितकाल तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

इस विवाद का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया, जब अभिजीत दीपके की मां ने कहा कि यदि उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था। परिवार की इस पीड़ा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। कानून लागू करने वाली संस्थाओं को प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और आवश्यक मानवीय परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, हिरासत से जुड़े निर्णयों की वैधता का मूल्यांकन तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए।

राजनीतिक आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश, युवाओं को पैसे देकर प्रदर्शन में लाने या सरकार को अस्थिर करने जैसे आरोप भी सार्वजनिक विमर्श में सामने आते रहते हैं। लेकिन ऐसे गंभीर दावों को प्रमाण के बिना स्वीकार करना उचित नहीं है। यदि किसी के पास धन के बदले भीड़ जुटाने, हिंसा भड़काने या विदेशी हस्तक्षेप के ठोस प्रमाण हैं, तो उन्हें जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बिना प्रमाण पूरे आंदोलन या उसमें शामिल प्रत्येक युवा को किसी षड्यंत्र का हिस्सा बताना भी न्यायसंगत नहीं होगा। युवाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते वह शांतिपूर्ण और कानूनसम्मत हो। अंततः दिल्ली का यह घटनाक्रम सरकार, विपक्ष, पुलिस और प्रदर्शनकारियों सभी के लिए एक परीक्षा है। विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए संवैधानिक रास्तों और प्रमाणों पर भरोसा करना चाहिए। सरकार तथा प्रशासन को आलोचना का उत्तर पारदर्शिता और जवाबदेही से देना चाहिए। पुलिस को कानून लागू करते समय निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने दायित्व भी याद रखने चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न सरकार को मनमानी की छूट है, न विपक्ष को कानून तोड़ने का अधिकार। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि असहमति को स्थान मिले, संस्थाओं की जवाबदेही बनी रहे और सार्वजनिक जीवन में कानून का शासन सर्वोपरि हो।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक हुई सम्पन्न

देवगढ़ गांव बनेगा सोलर युक्त ग्राम केलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने दिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों जनशिकायतों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम जनता से जुड़ी शिकायतों और लंबित मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में करें निराकरण कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत एल-1, एल-2 एवं एल-3 स्तर पर लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शिकायतों को केवल औपचारिक रूप से बंद करने के बजाय उनका गंभीरता से परीक्षण किया जाए और आवेदकों को वास्तविक गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब करने तथा जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन प्रधानमंत्री पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, पारस पोर्टल तथा लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय-सीमा में अपडेट करने लंबित मामलों की नियमित निगरानी करने तथा प्रत्येक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश कलेक्टर ने अस्पताल में बच्चों के वार्ड और चिकित्सकों के कक्ष से संबंधित आवश्यक निर्माण एवं सुधार कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। उधनापुर में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया इसके साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अस्पतालों में जरूरी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया उन्होंने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए पोषण पुनर्वास केंद्र के शेष कार्यों को पूर्ण करने और स्कूली बच्चों को निर्धारित समय पर मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए धान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करें आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों में साफ-सफाई, बिजली, पेयजल, शौचालय और किसानों के बैठने के लिए छायादार स्थान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं इसके साथ ही उन्होंने कदरेवा देवाडांड और उधनापुर के धान खरीदी केंद्रों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की आवश्यकता पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा केंद्रों में बायोमेट्रिक व्यवस्था कंप्यूटर कक्ष और अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में सुधार और जाति प्रमाण पत्र बनाने पर जोर कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।

जुआ पकड़ने गई पुलिस की कार्रवाई के दौरान युवक की मौत, थाने का घेराव

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के बालागंज क्षेत्र में जुआ पकड़ने गई पुलिस की कार्रवाई के दौरान नासिर नामक युवक की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई घटना के बाद परिजनों और समाजजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए सिटी कोतवाली थाने का घेराव किया प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में शामिल चार पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात करीब 10:30 बजे परिजन मृतक का शव एंबुलेंस में रखकर सिटी कोतवाली थाने पहुंचे उन्होंने शव वाहन को सड़क पर खड़ा कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रात करीब 12:30 बजे तक थाने के सामने सैकड़ों लोग जमा रहे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। स्थिति को देखते हुए थाने के अंदर और बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया घटना की सूचना मिलने पर एएसपी अभिषेक राजन, एसडीओपी जितेंद्र पाठक और सिटी कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी ने परिजनों की शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले गए एसडीओपी जितेंद्र पाठक के अनुसार जुआ संचालित होने की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी थी इस दौरान आरोपी भागने लगे जिनमें से पांच को पकड़ा गया मौके से 50 हजार रुपये भी जब्त किए गए पुलिस के मुताबिक नासिर के खिलाफ जुआ मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित 18 अपराध दर्ज थे परिजनों का आरोप है कि तबीयत बिगड़ने के बाद नासिर को पुलिसकर्मी मौके पर छोड़कर चले गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार होगा मुन्नीबाई के पक्के घर का सपना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अपना पक्का घर हो और परिवार सुरक्षित छत के नीचे सम्मानपूर्वक जीवन बिताए यह हर परिवार का सपना होता है आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण इस सपने को पूरा करने में मददगार बन रही है इसी कड़ी में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंड्रा निवासी मुन्नीबाई के पक्के घर का सपना साकार होने की उम्मीद जगी है वित्तीय वर्ष 2024-25 में उनके आवास निर्माण के लिए दो लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत मिली यह स्वीकृति मुन्नीबाई के परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहारा है। पक्का मकान बनने से परिवार को बारिश, गर्मी और ठंड के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत मिलने के साथ सुरक्षित आवास की सुविधा मिलेगी। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है मुन्नीबाई के लिए यह राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि परिवार के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है आवास निर्माण पूरा होने के बाद परिवार को बेहतर रहन-सहन का अवसर मिलेगा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से आवासहीन और पात्र जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।ग्राम पंचायत मेंड्रा की मुन्नीबाई को मिली स्वीकृति इसी पहल का उदाहरण है पक्का मकान किसी भी परिवार के लिए सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता का आधार होता है मुन्नीबाई के परिवार को भी आवास निर्माण पूरा होने पर सुरक्षित आश्रय मिलेगा। उन्होंने आवास के लिए राशि स्वीकृत होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई यह कहानी बताती है कि जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण परिवारों को बेहतर आवास और जीवन स्तर सुधारने का अवसर प्रदान कर रही हैं आवास राशि का उपयोग स्पष्ट करेंएकरूप और संक्षिप्त खबर बनाएंसरकारी भाषा को स्थानीय बनाएं।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक: प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली सालिकराम की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है इसी कड़ी में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंड्रा के हितग्राही सालिकराम पिता बुद्धुराम के आवास के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है यह स्वीकृति उनके पक्के घर के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मिली दो लाख रुपये की स्वीकृति से हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता का संबल मिला है पक्का घर प्रत्येक परिवार की बुनियादी आवश्यकता है इससे परिवार को सुरक्षित वातावरण मौसम की मार से बचाव और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलता है योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से गरीब परिवारों को मिल रहा आवास का सहारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन और कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को बेहतर आवास की सुविधा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है

एमसीबी में जनदर्शन: कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं इस दौरान भूमि पट्टा, मुआवजा राशि, सड़क निर्माण, शैक्षणिक प्रमाण पत्र और निर्माण कार्यों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए भूमि और पट्टे से जुड़ी शिकायतें जनदर्शन में पोटाडांड निवासी सोनिया गोंड़ एवं अर्जुन सिंह ने भूमि संबंधी समस्याएं रखीं पहाड़हंसवाही निवासी फूलमती ने पुश्तैनी कब्जे वाली भूमि की जांच कर पात्रतानुसार पट्टा दिलाने की मांग की। केराडोल के राकी, राजेंद्र कुमार, मलराज एवं भईयालाल तथा पिपरिया निवासी तिलधारी और रामबाई ने भी भूमि एवं पट्टे से जुड़े मामलों के निराकरण के लिए आवेदन दिए देवगुड़ी निर्माण और सड़क का मुद्दा उठा चनवारीडांड के ग्रामीणों ने देवगुड़ी निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार की जांच कराने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित सरपंच, सचिव और इंजीनियर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की वहीं साल्ही के सरपंच केवल सिंह मरकाम ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया शंकरगढ़ निवासी रामचंद्र ने मुआवजा राशि नहीं मिलने की शिकायत की खोंगापानी निवासी अर्चना सिंह ने टीसी एवं माइग्रेशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया इसी क्षेत्र के राकेश कुमार बंसल ने पूर्व में की गई शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने की बात उठाई कलेक्टर ने आवेदनों पर संबंधित विभागों से जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि पात्र हितग्राहियों को राहत मिल सके।

मन जागृति अभियान के तहत स्कूली बच्चों ने इमोजी से व्यक्त की मन की बात, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति हुए जागरूक

बहरासी, जमथान, बरेल एवं मेंडा के विद्यालयों में आयोजित हुई गतिविधियां, बच्चों को भावनाएं समझने और खुलकर संवाद करने का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले में 10 से 16 अक्टूबर 2026 तक संचालित मन जागृति अभियान के तहत मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में विकासखंड भरतपुर के बहरासी, जमथान एवं बरेल तथा विकासखंड खड़गवां के मेंडा स्थित विद्यालयों में स्कूली बच्चों के लिए इमोजी से मन की बात गतिविधि आयोजित की गई। इस अभिनव पहल के माध्यम से बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानने, उन्हें सहजता से व्यक्त करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया गया गतिविधि के दौरान बच्चों को खुशी, उदासी, चिंता, गुस्सा सहित विभिन्न भावनाओं को दर्शाने वाले इमोजी के माध्यम से अपनी मन स्थिति व्यक्त करने का अवसर दिया गया। बच्चों ने अपनी वर्तमान भावनाओं के अनुरूप इमोजी का चयन कर शिक्षकों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्हें बताया गया कि खुशी, दुख, गुस्सा और चिंता जैसी सभी भावनाएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव, परेशानी या उदासी की स्थिति में अपनी भावनाओं को दबाने के बजाय माता-पिता, शिक्षकों अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से खुलकर बातचीत करनी चाहिए। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में भावनात्मक समझ विकसित करने के साथ उन्हें यह विश्वास दिलाना था कि अपनी परेशानियों को साझा करना कमजोरी नहीं बल्कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि बच्चों एवं किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य उनके शारीरिक बौद्धिक और सामाजिक विकास से सीधे जुड़ा हुआ है वर्तमान समय में पढ़ाई का दबाव परीक्षा का तनाव, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग तथा अन्य सामाजिक परिस्थितियां बच्चों की मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकती हैं ऐसे में विद्यालय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है उन्होंने कहा कि इमोजी जैसी सरल एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से बच्चे अपनी भावनाओं को आसानी से समझ और व्यक्त कर सकते हैं इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ने के साथ तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित सहायता प्राप्त करने की समझ विकसित होती है मन जागृति अभियान के अंतर्गत जिले के स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं सामुदायिक स्तर पर 10 से 16 अक्टूबर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इनमें मानसिक स्वास्थ्य शपथ रंगोली प्रतियोगिता जागरूकता रैली इमोजी मूड बोर्ड, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त किशोरों के साथ परीक्षा के तनाव, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग, भावनात्मक समस्याओं तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया जा रहा है स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य सत्र, पुलिस एवं आपातकालीन सेवा कर्मियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम तथा परिवार एवं समुदाय के साथ चर्चा के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है अभियान के दौरान मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान समय पर परामर्श उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता के अनुसार संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में रेफरल की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को उचित उपचार एवं सहायता मिल सके जिला नोडल अधिकारी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. नम्रता चक्रवर्ती ने बताया कि मन जागृति अभियान का प्रमुख उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों और सामाजिक संकोच को दूर करना है उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को छिपाने के बजाय समय रहते विशेषज्ञों से परामर्श लेना आवश्यक है जागरूकता एवं समय पर सहायता के माध्यम से अनेक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आम नागरिकों को नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति घर बैठे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें जिले में मन जागृति अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, जिला नोडल अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के समन्वय तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के सहयोग से संचालित की जा रही हैं संबंधित विकास खंडों के खंड चिकित्सा अधिकारियों के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं विद्यालय प्रबंधन के सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मन जागृति अभियान के माध्यम से बच्चों किशोरों एवं आम नागरिकों को यह संदेश दिया जा रहा है कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है अपनी भावनाओं को समझना खुलकर संवाद करना और आवश्यकता पड़ने पर सहायता लेना स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पिपरिया की जनसुनवाई में पहुंचे 20 आवेदन, सड़क निर्माण से लेकर अतिक्रमण हटाने तक की उठी मांग

गांधी वार्ड की अयोध्या बस्ती में सड़क और बिजली नहीं होने से परेशान हैं करीब 40 लोग, एक डीपी से 17 नलकूप कनेक्शन होने की भी शिकायत

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। जनसमस्याओं के निराकरण के लिए मंगलवार को पिपरिया जनपद पंचायत सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई इसमें नागरिकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर कुल 20 आवेदन प्रस्तुत किए तहसीलदार वैभव बैरागी ने आवेदकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में सड़क निर्माण, शासकीय रास्तों से अतिक्रमण हटाने बिजली कनेक्शन, राजस्व रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी और राशन कार्ड सहित कई मुद्दे सामने आए गांधी वार्ड स्थित अयोध्या बस्ती के किसानों और नागरिकों ने लंबे समय से सड़क नहीं बनने की शिकायत की। आवेदकों के अनुसार, बस्ती में करीब 40 नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के अभाव के साथ यहां बिजली की सुविधा भी नहीं है नागरिकों ने संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण और बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की ताकि रोजमर्रा की परेशानियों से राहत मिल सके देवरी बनखेड़ी गांव के धर्मेंद्र पटेल सहित अन्य ग्रामीणों ने आम रास्ते पर कथित कब्जे की शिकायत करते हुए उसे हटाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते से अतिक्रमण हटने पर आवागमन सुगम हो सकेगा वहीं खमरिया गांव की उर्मिला पटेल ने एक ही बिजली डीपी से 17 नलकूप कनेक्शन जुड़े होने के कारण परेशानी होने की बात रखी। उन्होंने बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्या के समाधान की मांग की बीजनवाडा के रहवासी क्षेत्रों में आवारा सूअरों की समस्या को लेकर नागरिकों ने रोकथाम की मांग की। कस्तूरबा वार्ड की राधिका पाटकर ने राजस्व रिकॉर्ड में कथित हेराफेरी का आरोप लगाते हुए शिकायत प्रस्तुत की। बनखेड़ी निवासी पंकज प्रजापति ने डीजे पर प्रतिबंध के नियम सभी पर समान रूप से लागू करने की मांग उठाई जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम शामिल कराने और राशन कार्ड बनवाने जैसे आवेदन भी प्राप्त हुए तहसीलदार ने शिकायतों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए इस दौरान नायब तहसीलदार नीरज बैंस, श्याम सिंह तारे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया संबंधित विभागों के स्तर पर की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

इटरासी की मालवीय कॉलोनी में युवक पर चाकू से हमला

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। नया यार्ड की मालवीय कॉलोनी में माइक्रो टावर स्टॉप के पास रविवार रात 27 वर्षीय शक्ति सिंह राजपूत पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी सीनू उर्फ सुनीश चौहान को हिरासत में लिया है। घायल के दोस्त अमन मेहरा ने बताया कि वे खाना खाने के बाद स्टॉप पर बैठे थे। तभी सीनू और उसका बेटा हर्षित चौहान वहां आए और उन पर चाकू से हमला कर दिया। सीनू के चाकू से शक्ति सिंह को गहरा घाव लगा। शक्ति सिंह को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां टांके लगे। उसकी जान को खतरा नहीं है, अस्पताल में भर्ती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हमलावर नशे में थे। इसी इलाके में कुछ दिन पहले भी चाकूबाजी हुई थी। ऐसी घटनाओं से कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने पुलिस से कड़ी कार्रवाई और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बुरहानपुर में मारुति सुजुकी सर्विस सेंटर में आग

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के रेणुका रोड स्थित निमाड़ मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड (मारुति सुजुकी सर्विस सेंटर) में मंगलवार सुबह करीब 6 बजे आग लग गई। गायत्री मंदिर के पास स्थित इस सर्विस सेंटर में आग से कई वाहनों और अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह शोरूम पूर्व पीसीसी चीफ अरुण यादव का है। नुकसान लाखों रुपए का होने का अनुमान है। आग की सूचना मिलते ही कर्मचारी मौके पर पहुंचे। शिकारपुरा पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने भी पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया।

पिपलियामंडी में ट्रॉली से टकराई बाइक

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी में सोमवार रात करीब 9:30 बजे सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक टकरा गई। हादसे में पिपलियामंडी निवासी 43 वर्षीय संजय गुर्जर घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद संजय को मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सिर में 5 और पैर में 4 टांके लगे जानकारी के मुताबिक, संजय शाम को अपने दोस्त से मिलने कनघट्टी गए थे। रात में बाइक से लौटते समय अंधेरे के कारण उन्हें सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली दिखाई नहीं दी। बाइक ट्रॉली से टकराने के बाद संजय सड़क पर गिर गए। मंदसौर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनके सिर में 5 और पैर में 4 टांके लगाए गए।

रीवा की गुढ़ तहसील में न्याय का गुढ़ खेल: 15 साल बाद कोर्ट से जीता केस तहसील में फंसा नामांतरण

एसडीएम कार्यालय में फाइल छिपाने का वीडियो होने का दावा, पीड़ित ने कलेटर और ईओडेल्यू से की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डिजिटल इंडिया और सीएम हेल्पलाइन के दावों के बीच रीवा जिले की गुढ़ तहसील से भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है एक पीड़ित ने नायब तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 15 साल तक कोर्ट में केस जीतने के बाद भी उसे नामांतरण और नाम दुरुस्तीकरण के लिए तहसील के चक्कर काटने पड़ रहे हैं पीड़ित का आरोप है कि पैसा नहीं देने पर उसकी फाइल ही गायब कर दी गई मामला गुढ़ तहसील का है पीड़ित के अनुसार उसका जमीन संबंधी विवाद पिछले 15 वर्षों से

न्यायालय में विचाराधीन था सिविल कोर्ट का फैसला उसके पक्ष में आने के बाद उसने गुढ़ तहसील में नामांतरण के लिए आवेदन दिया पीड़ित का आरोप है कि सिविल कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद नायब तहसीलदार ने उसके प्रकरण को विवादित प्रकरण बताकर रोक दिया पीड़ित ने बताया कि उसने इस देरी की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की थी आरोप है कि शिकायत को बंद कराने के लिए नायब तहसीलदार ने खुद उसे फोन कर कहा कि आपके केस में आपत्ति लगी है पीड़ित के मुताबिक 18 तारीख को जब मैं तहसील गया तो कहा गया कि आपत्ति है जबकि 18 सितंबर तक फाइल में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति दर्ज नहीं थी न कोई नोटिस, न कोई वजह, लगभग 80 दिनों तक सिर्फ आपत्ति के नाम पर टाला गया। पीड़ित ने सबसे गंभीर आरोप फाइल गायब करने का लगाया है उसका कहना है मैडम ने पहले कहा आपत्ति है फिर कहा ADJ का आदेश दे दिया है तो 5 से 10 दिन में कर दूंगी जब मैंने फाइल देखने की मांग की तो फाइल ही गायब कर दी गई। बाबू फाइल ढूंढते रहे और फाइल मैडम के पास थी मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़ित अपने अधिवक्ता के साथ एसडीएम गुढ़ के पास शिकायत लेकर पहुंचा पीड़ित का दावा है कि उसके पास पूरी घटना का वीडियो मौजूद है जिसमें कथित तौर पर नायब तहसीलदार चोरों की तरह फाइल छिपाकर एसडीएम कार्यालय ले गई । पीड़ित ने बताया कि जब बाबू को फाइल नहीं मिली तो उसके वकील ने कहा – फाइल कहां ढूंढ रहे हो, फाइल तो मैडम के पास है। जब पीड़ित ने मैडम से पूछा तो जवाब मिला आपको व्हाट्सएप पर भेज दूंगी आप चले जाइए।

पीड़ित का आरोप है कि नायब तहसीलदार की अनावेदक से सांठगांठ है जब पीड़ित ने आपत्ति दिखाने की जिद की तब जाकर कहा गया अरे ये रही आपकी फाइल, देख लीजिए आपत्ति है जबकि फाइल में 18 सितंबर तक कोई आपत्ति दर्ज नहीं थी पीड़ित ने अब इस पूरे मामले की लिखित शिकायत रीवा कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी और EOW विभाग में की है। उसकी मांग है कि फाइल में कथित आपत्ति की जांच कर दोषी अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण कायम किया जाए। पीड़ित ने कहा है कि अगर मैं गलत हूं तो मेरे ऊपर प्रकरण कायम किया जाए। पीड़ित ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के अंदर उसे न्याय नहीं मिला तो वह कलेक्टर कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेगा।

सड़क हादसे में घायल निराश्रित गौवंश की मदद को आगे आया आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान

मीडिया ऑडीटर, मझगवां (निप्र)। बेजुबान जीवों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के उद्देश्य से कार्यरत आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की मंगलवार को मझगवां बस स्टैंड के पास सड़क दुर्घटना में घायल हुए एक निराश्रित गौवंश के उपचार के लिए संस्थान के सदस्यों ने पहल की घायल गौवंश को पशु चिकित्सालय मझगवां ले जाकर उसका उपचार कराया गया ताकि उसे राहत मिल सके इस कार्य में पशु चिकित्सालय मझगवां के

डॉक्टर समरजीत कौल ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। वहीं विजय पांडेय, नन्हू जैसवाल, समर नामदेव (चिंतन), सुंदरलाल मिश्रा, पुष्पेंद्र पांडेय सोनू और अमन गर्ग (राघव मेडिकल) ने भी उपचार में सहयोग किया। संस्थान ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के लोगों की सहभागिता से बेजुबान जीवों की सेवा का संकल्प और मजबूत होता है। संस्थान का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले निराश्रित पशुओं को कई बार समय पर उपचार और देखभाल नहीं मिल पाती ऐसे में सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है घायल पशु को देखकर अनदेखा करने के बजाय पशु चिकित्सालय या संबंधित लोगों को सूचना देकर उसकी मदद की जा सकती है आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने नागरिकों से अपील की कि यदि क्षेत्र में कहीं कोई गौवंश सड़क दुर्घटना में घायल दिखाई दे तो उसकी सहायता के लिए आगे आएं और समय पर उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

होम कंपोस्टिंग से पूरा होगा 'ग्रीन सतना' का लक्ष्य: धर्मेंद्र सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 25 स्थित दयानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खजूरी टोला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों और विद्यालय परिवार को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया धर्मेंद्र सिंह ने घरों में निकलने वाले सब्जी–फल के छिलकों, फूलों और अन्य गीले कचरे से होम कंपोस्टिंग के माध्यम से खाद बनाने की विधि समझाई उन्होंने कहा कि घर में गीले कचरे से खाद तैयार करने से कचरे की मात्रा कम होगी और तैयार खाद से गमलों में फल, फूल व सब्जियां उगाई जा सकेंगी इससे 'ग्रीन सतना' के लक्ष्य को भी बढ़ावा मिलेगा कार्यक्रम में स्वच्छता के साथ नशा मुक्त भारत, भ्रष्टाचार मुक्त समाज, अपराध मुक्त समाज, सामाजिक समरसता, सद्भावना और मतदाता जागरूकता जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई इस दौरान धर्मेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता, नशा मुक्ति और सद्भावना की शपथ दिलाई उन्होंने सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर वन बनाने के लिए आम नागरिकों को जागरूक करने की अपील की।

उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन बना ग्रामीणों के लिए उम्मीद की नई किरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षा से वंचित लोगों को साक्षर बनाने की मुहिम अब ग्रामीण क्षेत्रों में नई उम्मीद जगा रही है केंद्र सरकार के उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन से प्रेरित होकर जवा तहसील के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एवं अक्षर साथी वैभव कुमार केशरवानी ग्राम गोंता, नगर परिषद डभौरा में प्रौढ़ शिक्षा का अभियान चला रहे हैं उनका उद्देश्य उन लोगों को पढ़ना–लिखना सिखाना है जो किसी कारणवश बचपन में शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके वैभव केशरवानी गांव–गांव और घर–घर पहुंचकर लोगों को शिक्षा का महत्व समझा रहे हैं खास बात यह है कि वह अपने खर्च से ग्रामीणों को निःशुल्क पढ़ाई कराने के साथ किताबें, कॉपियां, पेन, पेंसिल और स्लेट भी उपलब्ध करा रहे हैं उनके इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है। दिनभर खेत–खलिहानों में काम करने के बाद जब ग्रामीण घर लौटते हैं तब वैभव केशरवानी खुले आंगन में चौपाल लगाकर लोगों को पढ़ाते हैं। इस दौरान महिलाएं, बुजुर्ग और युवा उत्साह के साथ बुनियादी शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन्हें अक्षर ज्ञान के साथ पढ़ना, लिखना और सामान्य हिसाब–किताब करना सिखाया जाता है इस पहल का उद्देश्य केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों को दैनिक जीवन में आत्मनिर्भर बनाना भी है बुनियादी साक्षरता से लोग बैंक संबंधी दस्तावेजों को समझने, जरूरी जानकारी पढ़ने और अपने हस्ताक्षर करने में सक्षम हो सकते हैं।

शिक्षा ही सशक्तीकरण की कुंजी: अक्षर साथी वैभव कुमार केशरवानी ने कहा कि शिक्षा ही सशक्तीकरण की कुंजी है जब तक गांव और समाज का प्रत्येक व्यक्ति साक्षर नहीं होगा तब तक आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरी तरह साकार नहीं हो सकता उनका लक्ष्य है कि ग्राम गोंता और पूरे डभौरा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे उन्होंने इसे नौकरी नहीं बल्कि समाज सेवा का माध्यम बताया।

दिवाली-छठ पर 12 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

इटारसी, भोपाल, रानी कमलापति और बीना स्टेशन पर ठहराव, यात्रियों को मिलेगी राहत

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। दिवाली और छठ सहित त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे 12 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक चलने वाली ये ट्रेनें भोपाल मंडल से गुजरेंगी। इटारसी के अलावा कुछ ट्रेनों का ठहराव भोपाल, रानी कमलापति, बीना और गुना स्टेशनों पर भी रहेगा।

● मुंबई, पुणे और गोरखपुर जाने वालों को मिलेगी सुविधा

इन स्पेशल ट्रेनों से मुंबई, पुणे, गोरखपुर, बनारस, दानापुर और मऊ जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। इनमें रानी कमलापति-दानापुर और पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेनें भी शामिल हैं।

● यात्रा से पहले समय-सारणी जांचने की सलाह

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेनों की समय-सारणी जांचने की अपील की है। इसके लिए रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 139 पर जानकारी ली जा सकती है।

नमो सेवा-अनकही कहानियां' से जन-जन तक पहुंचीं जनकल्याणकारी योजनाएं

48 नुक्कड़ नाटक में 37 नाटक टोलियों ने निभाई भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 'नमो सेवा अनकही कहानियां' कार्यक्रम के तहत सम्पूर्ण विदिशा जिले के नगरीय निकायों एवं जनपद क्षेत्रों में जिला प्रशासन के सहयोग से आकर्षणम् जन कल्याण समिति द्वारा व्यापक स्तर पर नुक्कड़ नाटक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 29 एवं 30 सितंबर तथा 03 एवं 05 अक्टूबर 2026 को जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों और प्रमुख बाजार क्षेत्रों में संपन्न हुए। अभियान के दौरान जिले भर में कुल 48 नुक्कड़ नाटकों की प्रभावी प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में 37 नाटक टोलियों ने भाग लेकर जनसामान्य को शासन की जनहितैषी योजनाओं, सामाजिक सरोकारों, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा तथा नागरिक कर्तव्यों से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिए। इन प्रस्तुतियों में लगभग 500 कलाकारों ने सहभागिता करते हुए अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक योजनाओं की जानकारी सहज, रोचक एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाई गई। कार्यक्रमों को नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहयोग एवं सराहना प्राप्त हुई। जिला प्रशासन एवं आकर्षणम् जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित यह अभियान जनजागरूकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिसने शासन की लोककल्याणकारी गतिविधियों को आम

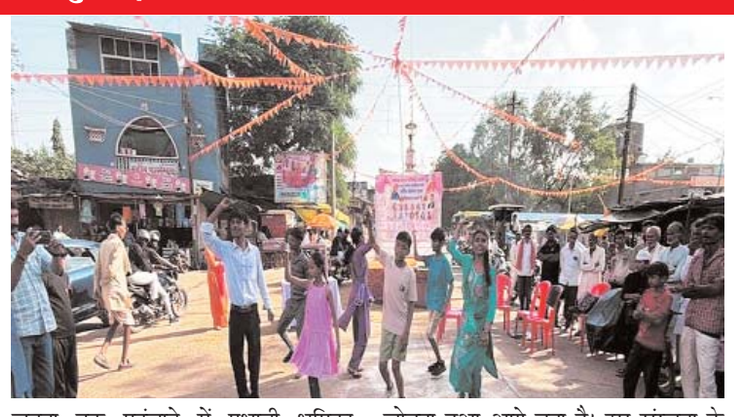

जनता तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाई। प्रस्तावना - 'नमो सेवा - अनकही कहानियाँ' एक बहुदिवसीय नुक्कड़ नाटक आधारित जनसंपर्क एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति पहल रूप में प्रस्तुत की गई। इस पहल का मूल स्वरूप पारंपरिक सभागार तक सीमित न रहकर खुले सार्वजनिक स्थलों पर आमजन, राहगीरों और स्थानीय समुदाय के बीच सीधे रंगमंचीय संवाद स्थापित करना रहा। जिला विदिशा के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर प्रस्तुतियों के माध्यम से नाटक को लोगों के दैनिक जीवन के बीच ले जाया गया, ताकि कथा, संवाद, अभिनय, संगीत और सामूहिक दृश्य सीधे दर्शकों तक पहुँच सकें। उपलब्ध प्रस्तुति-पटकथा के अनुसार 'नमो सेवा - अनकही कहानियाँ' की कथा पुराने स्कूल मित्रों और उनके बच्चों के पुनर्मिलन से विकसित होती है। यह पुनर्मिलन कथा को अलग-अलग समय-खंडों और घटनाओं से जोड़ता हुआ आगे बढ़ा है। इस संरचना के माध्यम से नाटक व्यक्तिगत स्मृतियों से व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय संदर्भों की ओर जाता है तथा अंततः वर्ष 2047 के संकल्प तक पहुँचता है। पटकथा में कुल 15 दृश्यों का क्रम दिया गया है। इन दृश्यों में गुजरात भूकंप और पुनर्निर्माण, देश से जुड़ी चिंताएँ, उरी एवं सर्जिकल स्ट्राइक, स्वदेशी क्षमता एवं अंतरिक्ष, कोविड- 19 एवं टीकाकरण, ऑपरेशन गंगा, जम्मू-कश्मीर, डिजिटल भुगतान, सौर ऊर्जा एवं महिलाओं के अवसर जैसे विषयों को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुति का अंतिम चरण दर्शक संवाद और वर्ष 2047 के संकल्प की ओर ले जाता है। इस प्रकार नाटक केवल घटनाओं के क्रम को प्रस्तुत करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दर्शकों को कथा के अंतिम संदेश से जोड़ने का प्रयास करता है। प्रस्तुति का समापन 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम्' के साथ किया गया।

पहल का लक्ष्य एवं उद्देश्य - इस पहल का केंद्रीय लक्ष्य उपलब्ध पटकथा के माध्यम से सेवा, राष्ट्रहित, सामाजिक सहभागिता और भविष्य के प्रति सामूहिक संकल्प की थीम को रंगमंचीय भाषा में आमजन तक पहुँचाना है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम का चयन इस विचार पर आधारित है कि प्रस्तुति को दर्शकों तक पहुँचाने के लिए उन्हें सभागार में आमंत्रित करने के बजाय प्रस्तुति स्वयं सार्वजनिक जीवन के बीच पहुँचे। पटकथा और प्रस्तुतियों के आधार पर पहल के प्रमुख उद्देश्य निम्न रूप में समझे जा सकते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर प्रत्यक्ष रंगमंचीय संवाद के माध्यम से आमजन तक प्रस्तुति पहुँचाना। कथा और नाट्य दृश्यों के माध्यम से सेवा, राष्ट्रहित और सामूहिक उत्तरदायित्व से जुड़े विचारों को प्रस्तुत करना। विभिन्न समय-खंडों एवं घटनाओं को एक पुनर्मिलन आधारित कथा - संरचना में जोड़कर दर्शकों के लिए एक सतत नाटकीय अनुभव तैयार करना। संवाद, अभिनय, समूह गतिविधि, संगीत, समाचार वाचन शैली और दर्शक संवाद जैसे रंगमंचीय माध्यमों का उपयोग करना। प्रस्तुति के अंतिम चरण में दर्शकों को वर्ष 2047 के संकल्प से जोड़ना। ऐसी प्रस्तुति शैली अपनाना जिसे खुले सार्वजनिक स्थानों में सरल मंच व्यवस्था और सीमित भौतिक सामग्री के साथ अनुकूलित किया जा सके। केंद्रीय थीम : सेवा से संकल्प तक प्रस्तुति की थीम को 'सेवा से संकल्प तक' की यात्रा के रूप में देखा जा सकता है।

सीहोर में साढू भाई पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

बाइक भी जब्त, पैसे के लेन-देन पर किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में मुख्य आरोपी रामदीन मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पैसों के लेन-देन को लेकर उसने अपने साढू भाई अमर सिंह के सिर और कान पर लोहे के दतुआ से हमला किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और लोहे का दतुआ जब्त किया है। आरोपी को नसरुल्लागंज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। खेत के पास किया था हमला 3 अक्टूबर को फरियादी गोविंद मीणा ने गोपालपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर की रात करीब 7:30 बजे छापरी गांव में राजेश जाट के खेत के पास रामदीन ने अमर सिंह पर हमला किया था। गंभीर रूप से घायल अमर सिंह को पहले भैरूंदा के भारती अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे इंदौर के अरविंदो अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने शुरुआत में सामान्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में हत्या के प्रयास की धाराएं बढ़ाई गईं। विशेष टीम ने मंदिर के पास से पकड़ा पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने रामदीन मीणा को गोपालपुर के बंजारी बालाजी मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल और हमले में इस्तेमाल लोहे का दतुआ भी जब्त कर लिया।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान, कुसल मेंडिस करेंगे कप्तानी

कोलंबो,एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम की कमान कुसल मेंडिस संभालेंगे। यह पहला मौका है जब कुसल श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। मेंडिस को वनडे और टी20 टीम की कमान सौंपे जाने के बाद अब टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। ऐसे में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ ही बतौर कप्तान भी उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। मेंडिस को कप्तानी पिछले सप्ताह धनंजय डी सिल्वा के टेस्ट कप्तान का पद छोड़ने के बाद सौंपी गई है। डी सिल्वा जनवरी 2024 से इस फॉर्मेट में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत बताई थी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार को बोर्ड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में मेंडिस की बतौर टेस्ट कप्तान नियुक्ति की। विकेटकीपर-बल्लेबाज को सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी अनुभव है। वह 75 टेस्ट मैचों में 4,836 रन बना चुके हैं, जिसमें 10 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। मेंडिस को मई में श्रीलंका का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया था। उन्होंने वनडे कप्तान के रूप में चरिथ असलांका और टी20 में दासुन शनाका की जगह ली थी। टेस्ट कप्तान के तौर पर उनकी नियुक्ति अब उन्हें तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में कप्तान बनाती है। पाकिस्तान टूर मेंडिस को एक कॉम्पिटिटिव सीरीज में टेस्ट टीम को लीड करने का पहला मौका देगा, जिसमें श्रीलंका मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में आगे बढ़ना चाहता है। पथुम निसांका को दौरे वाली टीम में शामिल किया गया है, लेकिन शुरुआती टेस्ट के लिए उनकी उपलब्धता उनकी रिकवरी और मेडिकल क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। यह बल्लेबाज टीम के साथ तभी ट्रैवल करेगा, जब उसे सीरीज से पहले फिट घोषित किया जाएगा। अंजला बंडारा को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट 9 नवंबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 17 नवंबर से लाहौर में खेला जाएगा। पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका की टीमः कुसल मेंडिस (कप्तान), पथुम निसांका, पसिंदू सोरियाबंदारा, दिनेश चांदीमल, कामिंदू मेंडिस, सोनल दिनुशा, धनंजय डी सिल्वा, अंजला बंडारा, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रथनायका, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका और ईशान मलिंगा।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 की सीईओ सिंडी हुक अपना पद छोड़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ सिंडी हुक ने घोषणा की है कि वह अपने चार साल के कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने पर अपने पद से हट जाएंगी। हुक को फरवरी 2023 में नियुक्त किया गया था। उनका चार साल का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल की शुरुआत में खत्म होने वाला है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, आने वाले महीनों में एक नई नियुक्ति की घोषणा होने की उम्मीद है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी बोर्ड ने हुक के कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद पद छोड़ने के फैसले को मान लिया है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, 'लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक से ठीक एक साल पहले एक आसान बदलाव सुनिश्चित करने के लिए और ब्रिस्बेन 2032 के अपने शुरुआती प्लानिंग और कैपेबिलिटी बिल्डिंग फेज से ऑपरेशन्स, प्रोजेक्ट और इवेंट डिलीवरी के अगले महत्वपूर्ण फेज में जाने के लिए एक नए लीडर को बैटन सौंपने का यह सही समय है।' हुक ने एक बयान में कहा, 'पिछले चार सालों में, मैंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी हमने उम्मीद की थी और इस दौरान मुझे कई अद्भुत अनुभव हुए।' ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ के तौर पर, सिंडी गेम्स के ऑर्गनाइजेशन के सभी पहलुओं को लीड करने के लिए जिम्मेदार थीं, ताकि एथलीट और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बनाया जा सके और ब्रिस्बेन, साउथईस्ट क्वींसलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पॉजिटिव विरासत छोड़ी जा सके। उनकी जिम्मेदारियों में गेम्स की प्लानिंग, स्पॉन्सरशिप, टिकटिंग और मर्चेंडाइज के जरिए राजस्व जुटाना, वेन्यू के ऑपरेशन को मैनेज करना, इवेंट सुरक्षा, वॉलंटियर रिक्रूटमेंट आदि शामिल हैं।

टी20 में फील्डिंग सुधारने के लिए टीम इंडिया के कल्चर में बदलाव जरूरी: आर श्रीधर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सीनियर पुरुष टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर मानते हैं कि टी20 फॉर्मेट में फील्डिंग के स्तर में आ रही गिरावट को ठीक करने के लिए राष्ट्रीय टीम को अपने कल्चर में पूरी तरह बदलाव की जरूरत है। श्रीधर ने यह भी कहा कि 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले टीम में शामिल नए खिलाड़ी फील्डिंग के मामले में पूरी तरह तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 में टी20 मुकाबलों में भारत की फील्डिंग का स्तर गिरा है। कैच पकड़ने की क्षमता के मामले में भारत टॉप 10 देशों में दूसरे-आखिरी स्थान पर है (73.4 प्रतिशत)। टीम ने चौंकाने वाले 58 कैच छोड़े हैं। भारतीय फील्डरों ने भले ही 129 रन बचाए हों, लेकिन कैच छोड़ने और ग्राउंड-फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 रन अतिरिक्त बने, जिससे कुल मिलाकर 97 रनों का नुकसान हुआ। इसके अलावा, रनआउट के मौके चूकने के मामले में भारत सभी टीमों में सबसे आगे है (19 मौके चूके), जबकि टीम ने 14 रनआउट किए भी हैं। साथ ही, भारतीय विकेटकीपरों ने स्टंपिंग के पांच मौकों में से दो मौके गंवाए। न्यूजीलैंड में मैच स्थानीय

समयानुसार रात 8 बजे शुरू होंगे, जिसका मतलब है कि फील्डरों को कड़ाके की ठंड में मैदान पर उतरना होगा।

श्रीधर ने सोमवार को 'सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क' द्वारा आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में आईएएनएस से कहा, 'फॉर्म अच्छी नहीं है। भारतीय टीम की फील्डिंग का फॉर्म, न सिर्फ पिछले कुछ मुकाबलों में, बल्कि पिछले कुछ महीनों में भी अच्छा नहीं रहा है। हमने टी20 वर्ल्ड कप जीता, लेकिन उस टूर्नामेंट में भी हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट के आसपास भी नहीं थे। उस सेमीफाइनल में शायद अक्षर पटेल ने ही हमें हारने से बचाया था। इसलिए हमें अपनी फील्डिंग में सुधार करने की जरूरत है। 'मुझे लगता है कि फील्डिंग के मामले में और एक खास संस्कृति बनाने के मामले में अब फील्डिंग को निश्चित रूप से कम प्राथमिकता दी जा रही है। जैसा कि हम देख सकते हैं, भारतीय टीम की बैटिंग में एक कल्चर नजर आता है। इसी तरह, तेज गेंदबाजों के इस्तेमाल में भी एक साफ कल्चर है, खासकर वनडे में, जहां शुभमन गिल पिच पर जोरदार गेंदें फेंकना पसंद करते हैं, लेकिन फील्डिंग में ऐसा कल्चर नहीं दिखता। चिंता की बात यह है कि टीम में आने वाले नए खिलाड़ियों की फील्डिंग क्षमता उतनी अच्छी नहीं है। कुछ तेज गेंदबाज हैं, कुछ बल्लेबाज हैं, लेकिन जो भी आ रहा है, वह कोहली, सूर्यकुमार या श्रेयस जैसा फील्डर नहीं लगता, उस पीढ़ी की बात कर रहा हूं, क्योंकि ऐसा लगता है कि उन्हें सिर्फ एक ही स्किल, यानी बैटिंग, पर तैयार किया गया है।' घरेलू क्रिकेट सिस्टम को इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए कहते हुए, श्रीधर ने जोर दिया कि हेड कोच गौतम गंभीर और फील्डिंग कोच सुभादीप घोष के नेतृत्व में मौजूदा कोचिंग स्टाफ को कैचिंग और ग्राउंड फील्डिंग के मामले में कड़े स्टैंडर्ड और जवाबदेही तय करनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह थोड़ी चिंता की बात है, लेकिन यह भारतीय टीम की चिंता का विषय नहीं है। यह पूरे सिस्टम के लिए जागने और सच्चाई को समझने का समय है। तो बहुत कुछ किया जाना बाकी है, लेकिन फील्डिंग कोच के सामने इन युवा खिलाड़ियों को तुरंत मैच प्रैक्टिस के लिए तैयार करने की चुनौती होगी। मुझे लगता है कि वे 18 तारीख को भारत से निकलेंगे और 19 तारीख को पहुंचेंगे और 22 तारीख को उनका (टी20) मैच है, जो बहुत चुनौतीपूर्ण है। लेकिन आज के दौर में क्रिकेट तो हालात के हिसाब से ढलने के बारे में ही है, है ना इसीलिए तो आपको इतनी मोटी रकम मिलती है। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि भारतीय टीम कैसे हालात के हिसाब से खुद को ढालती है। हो सकता है कि वे टी20 फॉर्मेट में बहुत अच्छी तरह ढल जाएं, लेकिन जब रेड बॉल की बात आएगी, तो मामला बिल्कुल अलग होगा।'

श्रीधर का मानना है कि न्यूजीलैंड के अनोखे मौसम में भारतीय फील्डिंग यूनिट की तुरंत परीक्षा होगी। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आपने कहा, न्यूजीलैंड में एक बड़ी बात शुरुआती वसंत का मौसम है। आमतौर पर, भारत जनवरी-फरवरी में न्यूजीलैंड का दौरा करता है, जब मौसम थोड़ा गर्म होने लगता है। लेकिन इस बार, शायद यह उन दुर्लभ मौकों में से एक है जब हम अक्टूबर के आखिर और पूरे नवंबर में वहां जा रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमारे फील्डर्स को वहां के माहौल के हिसाब से खुद को ढालना होगा।'

शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार

दुबई, एजेंसी। भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। शेफाली वर्मा ने विमेंस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है।

गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 गेंदों पर शानदार 223 रनों की पारी खेली थी। पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, 'अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैनल का शुक्रगुजार हूं। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने घरेलू फैंस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है।' उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं।' शेफाली वर्मा ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं आने वाले महीनों को लेकर उत्साहित हूं।

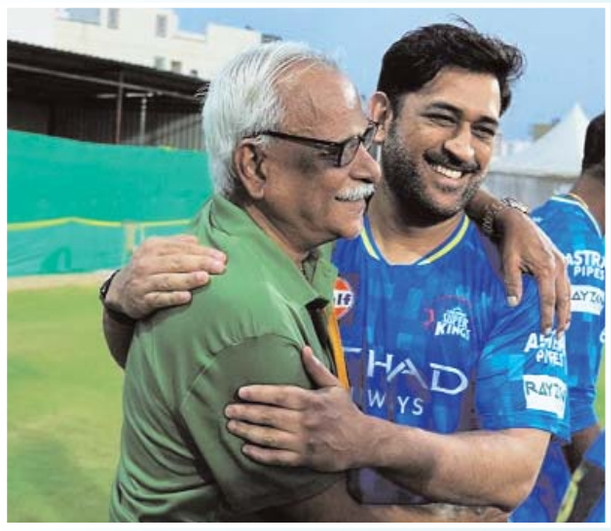

धोनी में क्रिकेट बाकी

आईपीएल 2027 में खेलने का फैसला उनका होगाः सीएसके सीईओ विश्वनाथन

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।' धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं। एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं। चेपॉक में सीएसके के पारंपरिक लैप ऑफ ऑनर में धोनी के हिस्सा लेने के बाद, रैना ने कहा कि उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए उनसे वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कर दिया। यह नहीं गिना जाएगा। आपको अगले साल वापस आना होगा।' बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि धोनी ने वापसी के दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किए हैं। यह उनका निजी फैसला होगा। मुझे लगता है कि वह सकारात्मक हैं। टीम भी फिर से अच्छी तरह से घुल-मिल रही है। फैंस भी चाहते हैं कि वह आएं। उन्होंने मुझसे कहा था कि देखते हैं। इसका मतलब है कि वह कड़ी मेहनत करेंगे और वापसी करेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में सीएसके में धोनी का उत्तराधिकारी कौन होगा इसका जवाब सीएसके ने पिछले सीजन में टीम में संजू सैमसन को शामिल कर दे दिया था। पिछले सीजन सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। टीम 14 मैचों में 6 जीत और 8 हार के साथ आठवें स्थान पर रही थी।

स्टीव स्मिथ को हेलमेट पर लगी चोट की जांच होगी

डरबन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का कनकशन अवलोकन किया जा रहा है। स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की गेंद से हेलमेट पर चोट लगी थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले जा रहे टेस्ट में स्मिथ को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के दौरान एनरिक नोर्त्जे का बाउंसर लगा था। स्मिथ की उम्मीद के मुताबिक नोर्त्जे की गेंद नहीं उठी थी, गेंद देखकर वह झुके थे, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट से जा टकराई थी। उस समय उन्होंने अपनी इनिंग सिर्फ चार गेंद खेली थीं। उस समय उनके कनकशन की जांच की गई और उन्हें अपनी इनिंग जारी रखने की इजाजत दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ वापस नहीं आए। उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की जांच होगी। चौथे दिन स्टंप्स के समय ब्यू वेबस्टर स्मिथ की फिटनेस के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने उम्मीद जताई कि

स्मिथ मंगलवार को मैदान पर उतर सकते हैं।

वेबस्टर ने स्मिथ के बारे में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह ठीक होंगें। उनके सिर में एक बुरी चोट लगी थी। हम उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। उम्मीद है, वह मंगलवार को गक्वेबरहा में अगले टेस्ट में वापस आ जाएंगे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की कनकशन और हेड ट्रॉमा पॉलिसी के तहत, कनकशन का पता चलने के बाद उसे कम से कम 24 घंटे के लिए बाहर रहना होगा और मेडिकल ऑफिसर से क्लीयरेंस मिलने तक वह क्रिकेट से जुड़ी गतिविधि में वापस नहीं आ सकते हैं।

स्मिथ को पहले भी कनकशन और वर्टिगो के लक्षण रहे हैं। उन्हें 2019 में एशेज टेस्ट से बाहर रहना पड़ा था, जब जोफ्रा आर्चर के बाउंसर की वजह से मार्नस लाबुशेन को उनकी जगह टेस्ट टीम में शामिल किया गया था।

ग्केबरहा में दूसरा टेस्ट रविवार, 18 अक्टूबर से शुरू होगा, जबकि केपटाउन में तीसरे टेस्ट में अभी दो सप्ताह बाकी हैं।

कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग, लगातार 2 कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए जीते पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं। हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था। हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की। राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। कौर ने 2021 में ताशकंद में आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 71 किग्रा कैटेगरी में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 71 किग्रा इवेंट में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। हरजिंदर ने हाल ही में ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 69 किग्रा भारवर्ग में रजत पदक जीता है।

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौरे पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।

कुशाग्र को मौका मिला

'झारखंड के 21 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं। कुशाग्र पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

यह 'शैडो ए' सीरीज दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में खेली जाने वाली दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज से पहले अहम तैयारी का मौका प्रदान करेगी। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की दौड़ के लिहाज से भी काफी अहम है, इसलिए दोनों टीमें इस वार्म-अप सीरीज का पूरा फायदा उठाना चाहेंगी। इंडिया-ए की अपडेटेड टीमः ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्रा (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

सतना में जनसुनवाई: कलेक्टर ने 123 आवेदकों की सुनी समस्याएं अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

भूमि विवाद, बिजली-पानी, सड़क, पेंशन और आवास योजना से जुड़े मामले पहुंचे; हर आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश

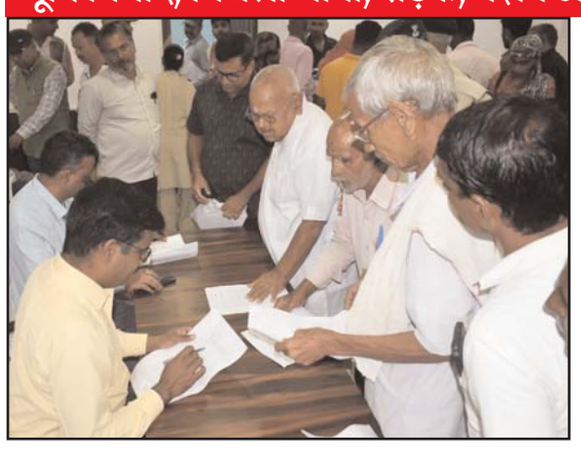

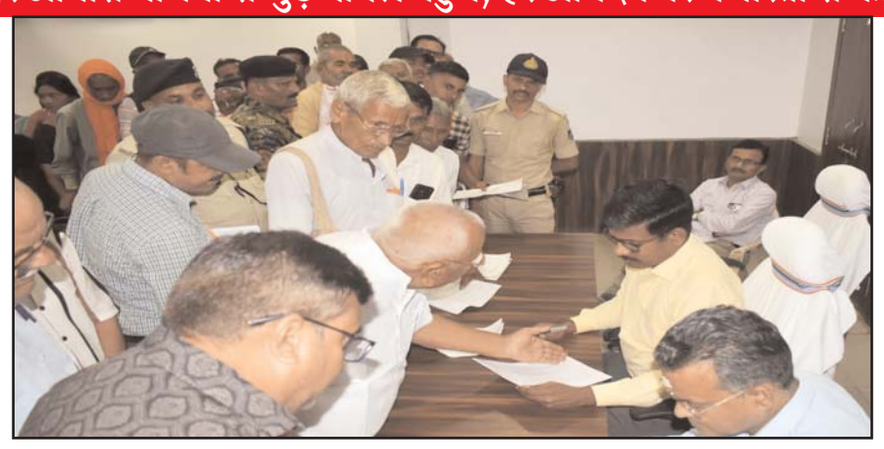

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे 123 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों पर गंभीरता से विचार करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं को लेकर पहुंचे। आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड में सुधार, सिंचाई सुविधा, बिजली-पानी की उपलब्धता, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति और आवास योजना सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत कीं कई आवेदकों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से हस्तक्षेप करने की मांग की कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए अधिकारी प्राप्त आवेदनों को लंबित रखने के बजाय नियमानुसार समय पर कार्रवाई करें ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों की प्रकृति के अनुसार जांच कराई जाए और जिन मामलों में मौके पर निरीक्षण की आवश्यकता है, वहां आवश्यक कार्रवाई की जाए साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा राजस्व और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का नियमानुसार निराकरण करने पर जोर दिया गया जनसुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए प्रशासन की जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलता है अब संबंधित विभागों की जिम्मेदारी होगी कि प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई कर आवेदकों को राहत प्रदान करें।

लोक सेवा केंद्र उचेहरा की नई संचालक बनीं शालिनी सिंह बघेल लॉटरी प्रक्रिया से हुआ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोक सेवा केंद्र उचेहरा के नवीन संचालक के चयन के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की गई निविदा समिति के सदस्यों एवं निविदाकारों की उपस्थिति में संपन्न प्रक्रिया के माध्यम से शालिनी सिंह बघेल को नवीन संचालक के रूप में चुना गया चयन प्रक्रिया में तकनीकी एवं वित्तीय निविदा में अपात्र पाए गए बालाजी एंड कंपनी वार्ड क्रमांक-10, शुक्लाव गली, करैरा जिला शिवपुरी को बाहर रखते हुए शेष 68 पात्र निविदाकारों को शामिल किया गया इन्हीं पात्र निविदाकारों में से लॉटरी के माध्यम से नए संचालक का चयन किया गया चयनित शालिनी सिंह बघेल सतना शहर के वार्ड क्रमांक-22, कैलाश नगर, उतैली में सीताराम पेट्रोल पंप के पीछे की निवासी हैं प्रशासन द्वारा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शासन के निर्देशानुसार संपूर्ण लॉटरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई इससे चयन प्रक्रिया का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके प्रशासन ने बताया कि चयनित संचालकों की सूची मध्यप्रदेश ई-टेंडर पोर्टल और सतना जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है संबंधित अभ्यर्थी पोर्टल पर सूची देखकर चयन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महापौर की जनसुनवाई में पहुंचीं नागरिकों की शिकायतें अधिकारियों को समयसीमा में निराकरण के निर्देश

नगर निगम कार्यालय में महापौर योगेश ताम्रकार ने सुनीं समस्याएं जनहित से जुड़े मामलों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम कार्यालय के सभागार में महापौर की जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए उनका त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों से महापौर को अवगत कराया इस पहल के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे नगर निगम के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिला महापौर ने शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से उनके निराकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर जोर दिया महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयसीमा में समाधान किया जाए ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें उन्होंने जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतने और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जनसुनवाई को नागरिकों और नगर निगम प्रशासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है जिसके जरिए स्थानीय समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके समाधान की दिशा में पहल की जाती है जनसुनवाई के दौरान नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे अधिकारियों को नागरिकों की शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करने और समस्याओं के समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका नियमानुसार निराकरण करना और स्थानीय निकाय की सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न

मतदाता सूची में छूटे हुए एवं प्रथम बार/युवा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। फोटो निर्वाचक नामावली में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने एवं मतदाता सूची को अद्यतन करने के संबंध में आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, इन्डियन नेशनल कांग्रेस, कम्युनिष्ट पार्टी आफ इण्डिया एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे हुए नागरिकों एवं प्रथम बार/युवा पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने के लिए निरन्तर अद्यतन प्रक्रिया के तहत विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन करने के कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि प्रथम बार पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य अभियान में किया जा है पात्र नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं आवेदन के साथ आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज निर्धारित नियमों के अनुसार उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि फॉर्म-6 जमा करने के बाद अलग से घोषणा-पत्र (डिक्लेरेशन फॉर्म) प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि नए एवं पंजीकरण से छुटे पात्र मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु आवेदन प्राप्त करना तथा आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करना है इसके लिए तहसील स्तर पर एस.डी एम./तहसीलदार एवं जिला स्तर पर संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर.पी.एस. जादौन तथा उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सर्वसंजय श्रीवास्तव, राजेश यादव एवं वीरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

एकेएस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'इग्नाइट उद्यमिता कार्यक्रम' शुरू

90 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, नवाचार और स्टार्टअप शुरू करने के गुर सीखेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में विद्यार्थियों को नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय इग्नाइट उद्यमिता कार्यक्रम एवं उद्यम स्थापना प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को हुआ वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन 90 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया राष्ट्रीय उद्यमिता नेटवर्क तथा वाधवानी फाउंडेशन की इस पहल का आयोजन विश्वविद्यालय के बीआईआरएसी ई-युवा केंद्र, अनुसंधान, नवाचार, इन्क्यूबेशन एवं कौशल विकास केंद्र, संस्थागत नवाचार परिषद और विश्वविद्यालय व्यवसाय इन्क्यूबेटर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान, रचनात्मक समाधान विकसित करने और ग्राहकों की जरूरतों को समझने की जानकारी दी गई पहले सत्र में विशाल नायर ने कार्यक्रम की रूपरेखा और ऑनलाइन शिक्षण मंच के उपयोग के बारे में बताया। वहीं शिवानी वर्ष्णेय ने ग्राहकों की पहचान और उनकी आवश्यकताओं के सत्यापन पर मार्गदर्शन दिया आगामी सत्रों में विद्यार्थियों को समाधान निर्माण, बाजार एवं प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण, प्रारंभिक उत्पाद तैयार करने, व्यवसाय प्रारूप, वित्तीय प्रबंधन और व्यावसायिक विचारों की प्रस्तुति का प्रशिक्षण दिया जाएगा कार्यक्रम का आयोजन प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े और प्रति-कुलपति प्रो. हर्षवर्धन के मार्गदर्शन में हो रहा है कार्यक्रम संयोजक प्रो. कमलेश चौरे तथा समन्वयक डॉ. एल.एन. सोनी हैं यह प्रशिक्षण 14 अक्टूबर तक चलेगा इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार तलाशने के साथ स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए भी प्रेरित करना है।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, जिला एवं चार्ज स्तरीय अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत फरवरी 2027 में प्रस्तावित जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर जिला एवं चार्ज स्तरीय अधिकारियों के प्रथम बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुआ प्रशिक्षण में अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने की जानकारी दी गई जनगणना निदेशालय भोपाल से आए प्रशिक्षक उमेश कुशवाहा एवं नागेश पाठक ने अधिकारियों को जनगणना के विभिन्न चरणों, स्व-गणना पोर्टल, मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार तथा प्रिंटिंग एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन की जानकारी दी। इस दौरान पीई मोबाइल ऐप का लाइव डेमो प्रस्तुत कर उसके उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया प्रशिक्षण में जनगणना से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और प्रश्न क्रमांक 1 से 40 तक की जानकारी देते हुए आंकड़ों की शुद्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया

अधिकारियों को द्वितीय चरण के दिशा-निर्देशों और गणना के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया ताकि कार्य में एकरूपता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके समापन अवसर पर प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया साथ ही उनकी जिज्ञासाओं का समाधान कर जनगणना कार्य के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सपत्नीक किए मां शारदा के दर्शन

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना, शारदीय नवरात्रि मेले की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, मैहर, (निप्र)। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंगलवार सुबह मैहर पहुंचकर मां शारदा मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद लिया और प्रदेश की सुख-समृद्धि खुशहाली एवं निरंतर प्रगति की कामना की। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां शारदा के दरबार में पहुंचकर उन्होंने प्रदेशवासियों के कल्याण और खुशहाल जीवन की प्रार्थना की उप मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर मां शारदा मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर माता के

दर्शन किए इस दौरान मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे मां शारदा के दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंदिर परिसर में आयोजित शारदीय नवरात्रि मेले की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा और उनकी सराहना की शारदीय नवरात्रि के दौरान मैहर स्थित मां शारदा मंदिर में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियों के साथ मेले का आयोजन भी किया जाता है श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थित दर्शन व्यवस्था की दृष्टि से यह आयोजन महत्वपूर्ण माना जाता है मैहर का मां शारदा मंदिर मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है नवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों की विशेष आस्था देखने को मिलती है देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते हैं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने माता के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के प्रतिनिधियों विधायक और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी रही दर्शन के बाद उन्होंने नवरात्रि मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की सराहना की।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी आज सतना आएंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी बुधवार, 14 अक्टूबर को सतना आएंगी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यमंत्री सुबह 9:45 बजे रीवा एक्सप्रेस से सतना रेलवे स्टेशन पहुंचेंगी राज्यमंत्री के सतना आगमन को लेकर उनके निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे की गतिविधियां संचालित की जाएंगी हालांकि, जारी सूचना में उनके आगमन के बाद के कार्यक्रमों, बैठकों अथवा अन्य आयोजनों के संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित विषयों को देखते हुए राज्यमंत्री का दौरा प्रशासनिक एवं विभागीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है उनके प्रवास के दौरान नगरीय विकास

और आवास से जुड़ी योजनाओं तथा स्थानीय गतिविधियों को लेकर कार्यक्रम तय होने पर संबंधित जानकारी सामने आ सकेगी फिलहाल प्रशासन की ओर से जारी सूचना में केवल सतना आगमन का समय और माध्यम बताया गया है राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी बुधवार सुबह रीवा एक्सप्रेस से सतना पहुंचेंगी उनके आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी मिलने के बाद दौरे से संबंधित अन्य विवरण स्पष्ट हो सकेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।